शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

Pratham

भाषा निर्देशिका

कक्षा (4–5)

बेसिक एवं एडवांस स्तर

निपुण भारत के अन्तर्गत
कक्षा 4–5 के लिए
FLN कार्यक्रम

2022-23

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

Pratham

हिन्दी
विषय–सूची

बेसिक स्तर के लक्ष्य

क्रमांक	सप्ताह		पृष्ठ संख्या
1.	1–4	आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकें।	1–4
2.	5–8	आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे बातचीत कर सकें।	5–8
3.	9–12	अधिकांश बच्चे अक्षर को समझ के साथ पहचान सकें।	9–12
4.	13–16	बच्चे ध्वनि व चिह्नों को पहचान सकें और आसान शब्द पढ़ व बना सकें।	13–16
5.	17–20	अधिकांश बच्चे अनुच्छेद और छोटी कहानी (5–6 लाइन) को समझ के साथ पढ़ सकें।	17–20
6.	21–24	अधिकांश बच्चे अपने विचारों को लिखित रूप में व्यक्त कर सकें। कोई भी चित्र बनाकर उसका नाम व उसके बारे में कुछ वाक्य लिख सकें।	21–24

एडवांस स्तर के लक्ष्य

7	1–4	कहानी, विषय, घटना, चित्र, पात्र एवं शीर्षक पर बातचीत कर सकें, घर की भाषा के साथ–साथ विद्यालय की भाषा में तर्क–वितर्क कर सकें।	25–28
8.	5–8	किसी कहानी को समझ के साथ पढ़ सकें और अपने अनुभव को जोड़ते हुए अभिव्यक्त कर सकें।	29–32
9.	9–12	नई कहानी को पढ़कर, उस में आए नए शब्दों को समझते हुए विश्लेषणात्मक रूप से समझ बना सकें।	33–36
10.	13–16	पाठ्य पुस्तक के अपरिचित शब्दों के अर्थों को ढूँढ सकें एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकें। मुहावरों व कहावतों को भी समझ सकें।	37–40
11.	17–20	परिचित पाठ, पात्रों, शीर्षक, घटना एवं चित्र पर अपने अनुभव को जोड़ते हुए समझ के साथ लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें।	41–44
12.	21–24	विभिन्न परिस्थितियों और उद्देश्य (कविता, चित्र कार्ड, कहानी आदि) के अनुसार अपने विचारों को लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें एवं समीक्षा कर उसमे सुधार कर सकें।	45–48

प्रस्तावना

जैसा कि हम सभी जानते हैं पिछले दो वर्षों से कोविड के कारण बच्चे स्कूल आने से वंचित रहे । ऐसे में उनकी पढ़ाई–लिखाई सही से न हो पाना स्वाभाविक है। इस दौरान एक अच्छी बात यह हुई कि इस बार माता–पिता एवं अभिभावक भी पढ़ाई के महत्त्व को अच्छी तरह से समझे हैं और बच्चों की मदद भी की है। स्कूल खुलने के बाद शिक्षकों से उनका अच्छा रिश्ता बना है। यह एक ऐसा समय है कि हम सभी शिक्षक, माता–पिता, अभिभावक मिलकर बच्चों की भरपूर मदद करें। इससे बच्चों को भी अच्छा लगेगा और इन दो वर्षों में हुई शैक्षणिक क्षति की भी भरपाई हो पाएगी।

साथ ही साथ, नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को भी आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए ऐसे बच्चों पर केंद्रित होकर काम किया जाना है जिनका शैक्षिक स्तर उनकी कक्षा के स्तर से काफी पीछे है अर्थात् ऐसे बच्चे जो पढ़ना और साधारण गणित के सवाल करना अभी भी नहीं सीख पाए हैं। इस पैकेज में बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति, पढ़ना, शब्दकोश बढ़ाना और लेखन कौशल को समृद्ध करने पर विशेष जोर रहेगा। गतिविधियों को सुचारू रूप से लागू करने से बच्चों में निश्चित रूप से हम सभी मिलकर कम समय में पढ़ने–लिखने और साधारण गणित करने का कौशल विकसित कर पाएंगे।

अतः शुरुआत से बच्चों के साथ अर्थपूर्ण और फ़ोकस तरीके से कार्य करने की ज़रूरत है ताकि उनके आधारभूत कौशल को आसानी से मज़बूत किया जा सके । स्कूल खुलने पर सबसे पहले सारे बच्चों का नामांकन कराया जाए साथ ही, उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। पढ़ाई–लिखाई के साथ–साथ सामाजिक, भावनात्मक, बौद्धिक, शारीरिक विकास एवं स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियाँ की जाएँ ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। बच्चे अपनी बातों को प्रभावी तरीके से रखें, इस पर भी कार्य करने की ज़रूरत है।

बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश और प्रथम संस्था द्वारा सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 4–5 के लिए **निपुण भारत के अन्तर्गत FLN कार्यक्रम** का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम कमाल (CAMaL : Combined Activities for Maximized Learning) अर्थात teaching at the right level पद्धति पर आधारित है। बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश जहाँ एक तरफ निपुण भारत के दिशा–निर्देश के अनुसार कक्षा 1 से 3 के बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ज़ोर–शोर से काम कर रहा है वहीं कक्षा 4 और 5 के बच्चों को भी नज़र अंदाज नहीं करना चाह रहा है । अतः विभाग ने कक्षा 4–5 के लिए भी **FLN** कार्यक्रम चलाकर एक नई पहल की है जिसमें कक्षा 4 और 5 के ऐसे बच्चे शामिल होंगे जिनका शैक्षिक स्तर उनकी कक्षा के अनुरूप नहीं है।

हमें आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर इन बच्चों के आधारभूत कौशल को मजबूत करने में ज़रूर कामयाब होंगे और वे जल्दी से पढ़ना–लिखना सीख जाएँगे और साधारण गणित आसानी से हल कर पाएँगे।

धन्यवाद!

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

Pratham

बच्चों को बेसिक व एडवांस स्तर के समूह में बाँटने के लिए निर्देश

बच्चों के साथ शिक्षण कार्य शुरू करने से पहले हमें बच्चों को स्तरानुसार बेसिक और एडवांस के समूह में बाँटना जरूरी है। प्रथम का विश्वास है कि बच्चों के साथ पढ़ने–पढ़ाने की गतिविधियाँ स्तरानुसार की जाएँ तो बच्चों में प्रगति तेजी से होती है।

बेसिक और एडवांस स्तर के समूह विभाजन का तरीका:

- नीचे दिए गए अनुच्छेद के दो सैंपल हैं। इनके आधार पर बच्चों को समूह में विभाजित करें।
- अलग–अलग बच्चों के साथ अलग–अलग सैंपल का उपयोग करें।
- बच्चा अनुच्छेद को अच्छी तरह पढ़ लेता है, तो उसे एडवांस स्तर पर रखें। यदि बच्चा अनुच्छेद को सही से नहीं पढ़ पाता है, तो उसे बेसिक स्तर पर रखें।

राधा के पास एक तोता है।
उसकी चोंच लाल है।
वह बहुत बोलता है।
सब को हँसाता है।

नीतू के घर में गाय है।
उसका रंग सफ़ेद है।
गाय हरी घास खाती है।
वह बहुत दूध देती है।

कुछ समय बाद निश्चित रूप से बच्चों के पढ़ने के स्तर में बदलाव आएगा तब इन बच्चों को एडवांस समूह में शामिल करके गतिविधियाँ करवाएँ।

नोट : भाषा के आधार पर गणित में भी बच्चों का बेसिक व एडवांस समूह बनेगा।

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ पहले सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकें।

सप्ताह–1

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	15 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** मेरी बिल्ली काली पीली एक लोटा पानी से हो गई गीली आक्छीं, आक्छीं लगी छींकने मैं तो बोला कुछ तो सीख बिना रुमाल कभी न छींक।	**गतिविधि करें।** सामग्रीः काग़ज की गेंद। सभी बच्चे गोल घेरे में खड़े हों। एक बच्चा बीच में खड़ा होगा। गोले में खड़ा बच्चा एक–एक करके बीच में खड़े बच्चे के पैरों पर निशाना लगाए। बीच वाले बच्चे को गेंद से बचने के लिए इधर–उधर भागना है। अगर गेंद उनके पैरों में लगी तो वे खेल से बाहर हो जाएँगे। इस तरह हर बच्चा बारी–बारी से बीच में आकर खेले।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** मोर है मेरा नाम रे ....2, जंगल मेरा धाम रे ....2, वर्षा मुझको लगती है प्यारी...2 नहीं सुहाता घाम रे ....2 मोर है मेरा नाम रे 2	**गतिविधि करें।** मेंढक की तरह कूदने के लिए पंजों के बल बैठकर दोनों हाथ ज़मीन पर सामने रखें और फिर छलाँग लगाएँ। छलाँग लगाते वक्त पहले हाथ उठाकर आगे रखें। बाद में शरीर को उठाकर हाथों के बाहरी तरफ़ पैर रखें। इसी तरह हर बच्चे से उछल–उछल कर मेंढक की तरह कूदने के लिए कहें।	**गतिविधि करें।** सभी बच्चे गोल घेरे में खड़े हो जाएँ। आप घेरे के बीच में खड़े होकर बोलें, "फायर इन द माऊनटेन।" बच्चे बोलें, "रन–रन–रन।" जितनी तेज़ी से आप बोलें, उतनी ही तेजी से बच्चे रन–रन बोलते हुए दौड़ें। आप जितने धीमे बोलें बच्चे भी उतने ही धीमे दौड़ें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला
बातचीत	10 मिनट	बच्चों से साफ़–सफाई से सम्बंधित विषय पर बातचीत करें कि साफ़–सफ़ाई क्यों ज़रूरी है? बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से घर विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से बातचीत करें और उन्हें अपने दोस्त के बारे में बताने को कहें। उनके कौन और कितने दोस्त हैं? उनके नाम क्या हैं? आदि।	बच्चों से पूछें कि आज स्कूल आते समय उन्होंने क्या–क्या देखा। बारी–बारी सभी बच्चों को बताने के लिए कहें।	पाठ्य–पुस्तक में दिए गए चित्र पर बातचीत करें जैसे चित्र में क्या–क्या दिख रहा है? उनके नाम क्या हैं?। बच्चों को बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**रमन की पतंग** नामक कहानी हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। कहानी में कौन–कौन था? कहानी में क्या हुआ आदि प्रश्न पूछें।	कल पढ़ी गई कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। बच्चों को अपने शब्दों में कहानी बताने के लिए प्रेरित करें।	कक्षा के अन्य बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने को कहें।	कहानी **बर्फ़ या बादल** हाव–भाव से सुनाएँ। कहानी सुनाने के बाद कहानी पर चर्चा करें। कहानी किसके बारे में है, कहानी में कौन–कौन हैं, आदि।	कहानी **बर्फ़ और बादल** पुनः पढ़कर सुनाएँ। कुछ बच्चों से कहानी अपने शब्दों में सुनाने को कहें।	
ध्वनि चेतना	05 मिनट	**आवाज़ों से खेलना** आवाज़ों को अलग–अलग करके बोलें। जैसे : मेला : मे ला घर : घ र रमन : र म न छोटे : छो टे	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को अलग–अलग करने के लिए कहें। जैसे : किला : कि ला पानी : पा नी नल : न ल कल : क ल	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें, जैसे :रो टी : रोटी पा नी : पानी आ टा : आटा खु श : खुश मै दा न – मैदान	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग करें। जैसे : बादल : बा द ल आकाश : आ का श दिन : दि न शाम : शा म पूछा : पू छा	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें, जैसे – बा द ल – बादल अ ल ग – अलग आ र ती – आरती बा रि श – बारिश	
लेखन	10 मिनट	**पतंग** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो बनाएँ उसके बारे में पूछें कि उन्होंने क्या बनाया है? बच्चों से चित्र में रंग भरने के लिए भी कहें।	**बगीचा** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उन्हें शाबाशी दें और उनसे यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है?	**मेला** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चों से यह भी पूछें कि मेला में क्या–क्या मिलता है? और उन्हें क्या–क्या पसंद हैं? बच्चों को बोलने के लिए प्रेरित करें।	बच्चों से अपने मनपसंद फल का चित्र बनाने एवं उसका नाम लिखने के लिए कहें। बच्चों से उस फल के बारे में बताने के लिए बोलें। जैसे : यह फल उन्हें क्यों पसन्द है? आदि।	बच्चों से अपने मनपसंद फूल का चित्र बनाने एवं उसका नाम लिखने के लिए कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ दूसरे सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकें।

सप्ताह–2

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	15 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** लड्डू भाई गोल मटोल बोलो बोलो कितना मोल? तुम्हें देख कर हो जाती है मेरी हालत डाँवा–डोल लड्डू भाई गोल मटोल बोलो–बोलो कितना मोल? जब–जब देखे थाल भरे सबके मुँह से लार गिरे आ जाओ तुम दूर न हो क्यों करते हो टाल मटोल? लड्डू भाई गोल मटोल बोलो बोलो कितना मोल ?	**गतिविधि करें।** सभी बच्चों को गोले में खड़ा करें और उन्हें आँख बंद करने को कहें। बच्चों से कहें कि चार उँगली से ताली बजाओ फिर तीन उँगली से फिर दो उँगली से और फिर एक उँगुली से ताली बजाओ। यह गतिविधि 2–3 बार करें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** तीन तोते हरी नीम की डाल पर । तीन तोते थे। वे तीनों सोते थे। एक पटाखा फूटा जैसे कोई बर्तन टूटा। उड़ गए तीनों तोते पहला तोता फुर्र, दूसरा तोता फुर्र–फुर्र। तीसरा तोता फुर्र–फुर्र–फुर्र।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** **तीन तोते** कविता गाएँ। बंदर डाल पर बैठा है। क्या बंदर तू भूखा है? मेरे पास आ रोटी खा पानी पी घुट घुट घुट बंदर कूद कूद कूद।	**गतिविधि करें।** **मेंढक कूद** बच्चों को मेढक कूद खेल खेलने को कहें। अगर कोई बच्चा ना कर पाए तो आप खुद करके दिखाएँ।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	**लाल लिली** नामक कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। कहानी का नाम लाल लिली क्यों पड़ा? क्या इसका और नाम आप रखेंगे? अन्दाज़ा लगाएँ कहानी में क्या हुआ होगा? बच्चों को अनुमान लगाकर कहानी के बारे में बोलने का मौक़ा दें।	**लाल लिली** नामक कहानी के चित्र पर चर्चा करें। जैसे चित्र में क्या–क्या दिख रहा है? उनके नाम क्या हैं? आपके घर में उन्हें क्या बोलते हैं? बच्चों को बोलने का मौका दें। चित्र में कौन कौन हैं? उन्हें चित्र कैसा लगा? आदि पूछें।	बच्चों से उनके पसंदीदा खेल के बारे में बातचीत करें। उन्हें कौन–सा खेल पसन्द है ओर क्यों?	**चिपकी** नामक कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। जैसे अन्दाज़ा लगाएँ कि चिपकी कहानी किस बारे में होगी? बच्चों को अनुमान लगाकर बोलने का मौका दें।	**मेला** विषय पर बातचीत करें। जैसे, मेला में क्या होता है? आपने मेला कब देखा और कहाँ देखा? बच्चों को बोलने का मौका दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**लाल लिली** हाव–भाव से कहानी सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें, जैसे – कहानी में क्या–क्या हुआ है? किसके पैर में रूई भर दिया? मीठी क्यों रो रही थी? आदि।	कल पढ़ी गई कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। कुछ बच्चों को अपने शब्दों में कहानी बताने के लिए प्रेरित करें।	कक्षा के अन्य बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने को कहें और कुछ प्रश्न पूछें, जैसे– कहानी कौन सुना रहा है? कहानी किसके बारे में हैं?	**चिपकी** कहानी हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें, जैसे– कहानी में क्या–क्या हुआ? बेला गणित के सवाल कब करती है? बेला की दोस्त कौन हैं? आदि।	कल पढ़ी गई कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। बच्चों को अपने शब्दों में कहानी बताने के लिए प्रेरित करें।	
ध्वनि चेतना	05 मिनट	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को बच्चों से एक साथ बोलने को कहें, जैसेः ला ल – लाल श री र – शरीर न या – नया ना म – नाम	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बच्चों को बोलने को कहें, बच्चे शब्द की पहली ध्वनि भी बताएँ, जैसेः मीठी = मी ठी (पहली आवाज़ मी) ला ल = लाल पहली आवाज़ = ला	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें। उनसे शब्दों की पहली ध्वनि भी बताने को कहें। जैसेः रो ई – रोई म जा – मजा ब हु त – बहुत पे ट – पेट	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें। शब्दों की पहली ध्वनि बताने को कहें। जैसेः बे ला – बेला रा त – रात स म य – समय पा पा – पापा खा ना – खाना	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें, व शब्द की पहली ध्वनि बताने को कहें जैसेः नि ग ल – निगल (पहली आवाज नि) स वा ल – सवाल (पहली आवाज स) ज वा ब – जवाब (पहली आवाज़ ज)	
लेखन	10 मिनट	**गुडिया** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो बनाएँ उनके नाम लिखने को कहें।	बच्चों को मिठाई दुकान का चित्र बानाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उन्हें शाबाशी दें और उनसे यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है।	**खिलौना** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उन्हें चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उन्हें शाबाशी दें और उनसे यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है।	बच्चों से चर्चा करें एवं छिपकली का चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो बनाएँ उनका नाम भी लिखने को कह सकते हैं।	बच्चों से अपने पसंद का कोई भी चित्र बनाने एवं उसका नाम लिखने के लिए कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ तीसरे सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकें।

सप्ताह–3

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	15 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** चंदा के गाँव में, तारों की छाँव में हम सैर करने जाएँगे।	कुछ बच्चों से पूर्व में की गई ''बंदर डाल पर बैठा है'' कविता हाव–भाव से सुनाने के लिए प्रेरित करें।	**गतिविधि करें।** तूफ़ान आया,बादल छाया, तूफ़ान आया कैप्टन बोला... क्या बोला? एक नाव में छः बच्चे (नोट : बोली हुई संख्या के अनुसार बच्चे समूह बनाएँ।)	**गतिविधि करें।** सभी बच्चे गोल घेरे में खड़े हो जाएँ। आप घेरे के बीच में खड़े होकर बोलें, "फायर इन द माऊनटेन।" बच्चे बोलें, "रन–रन–रन।" जितनी तेज़ी से आप बोलें, उतनी ही तेजी से बच्चे रन–रन बोलते हुए दौड़ें। आप जितने धीमे बोलें बच्चे भी उतने ही धीमे दौड़ें।	**क्या–क्या उड़ाओगे** सभी बच्चे गोल घेरे में बैठें। आप जल्दी–जल्दी बोलें, ''तोता उड़, चिड़िया उड़, गाय उड़'' आदि। जो बच्चा ग़लत चीज उड़ाता है, उसे कोई गीत, कविता, चुटकुला आदि सुनाने के लिए कहें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	**मालू और कालू** नामक कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। नाम सुनकर क्या लगता है कहानी किस बारे में होगी? बच्चों को अनुमान लगाकर बोलने का मौक़ा दें।	**मालू और कालू** नामक कहानी के चित्र पर चर्चा करें। जैसे चित्र में क्या हो रहा है आदि। बच्चों को बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से **गर्मी का मौसम** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को बोलने का मौका दें।	**घात लगाए बैठी** नामक कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। यह शीर्षक सुनकर क्या लगता है कहानी में क्या हुआ होगा? बच्चों को अनुमान लगाकर बोलने का मौक़ा दें।	**स्कूल** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**मालू और कालू** नामक कहानी हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें, जैसे – मालू कालू को घर क्यों लाया? मालू ने कालू को क्या–क्या खिलाया? किसे टहलना पसन्द है? कालू को क्यों लगा कि मालू की भी दुम निकलेगी? आदि।	कल पढ़ी गई कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। कुछ बच्चों को अपने शब्दों में कहानी बताने के लिए प्रेरित करें।	कक्षा के अन्य बच्चों को कहानी कालू मालू अपने शब्दों में बताने को कहें।	**घात लगाए बैठी** कहानी हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें, जैसे – म्याऊँ म्याऊँ की आवाज़ सुनकर सभी चूहे क्यों दुबक गए? बिल्ली घात लगाकर क्यों बैठी थी? किनकी मौज़ मस्ती चल रही थी? चूहे दीवार के दूसरी ओर कैसे चले गए? आदि।	कल पढ़ी गई कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। बच्चों को अपने शब्दों में कहानी बताने के लिए प्रेरित करें।	
ध्वनि चेतना	05 मिनट	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें, व शब्द की दूसरी ध्वनि बताने को कहें। जैसे – पी प ल = पीपल दूसरी आवाज – प श री र – शरीर दूसरी आवाज़ री मा लू – दूसरी आवाज़ लू रो ज़ – दूसरी आवाज़ ज	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें। शब्दों की पहली, दूसरी ध्वनि बताने को कहें। ठि ठु र – ठिठुर (ठु) घू म ने – घूमने (म) खा ने – खाने (ने)	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें। शब्दों की पहली ध्वनि भी पूछें। दु म – दुम खू ब – खूब	**आवाज़ों से खेलना** बच्चों को दो समूह में बाँटें। एक समूह शब्द बोले, दूसरा समूह शब्द की अलग–अलग ध्वनियों को बोलने के साथ–साथ उस शब्द की पहली ध्वनि भी बताएँ।	**आवाज़ों से खेलना** बच्चों को दो समूह में बाँटें। एक समूह शब्द बोले, दूसरा समूह शब्द की अलग–अलग ध्वनियों को बोलने के साथ–साथ उस शब्द की पहली ध्वनि भी बताए।	
लेखन	10 मिनट	**खेत** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएं उन्हें शाबाशी दें और उनसे यह ज़रूर पूछें कि उन्होने क्या–क्या बनाया है।	**मालू और कालू** कहानी में जो शब्द बच्चों को अपरिचित लगे उन्हें गोला लगाने को कहें। उन शब्दों पर कक्षा में चर्चा करें।	**फसल** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बानाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उन्हें शाबाशी दें और उनसे यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है?	**घात लगाए बैठी** कहानी पर बच्चों से चर्चा करें एवं एक बिल्ली का चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो बनाएँ उनका नाम भी लिखने को कहें।	चाय कैसे बनती है? बच्चों से चर्चा करें एवं चाय के बर्तन का चित्र बनाने को कहें। बच्चे से उस चित्र को घर की भाषा में क्या कहा जाता है बताएँ । बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ चौथे सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकें।

सप्ताह–4

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	15 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** गर्मी आई, आम लाई, घर से निकले मोनू लाल। नहीं लिया हाथो में छाता, गर्म हो गया उनका माथा। दौड़े–दौड़े घर को आए, पानी डाला खूब नहाया।	**गतिविधि करें।** बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को अपना ड्राइवर चुनने को कहें। अब उन्हें अपनी मोटर चलाने को कहें तथा वैसी ही आवाज़ निकालने व हाव–भाव दिखाने को कहें। अब परिस्थितियाँ बदल कर बताएँ, जैसे– अभी शांत सड़क पर चल रहे हैं। रास्ते में कंकड़ पत्थर हैं। सड़क पर पानी भरा हुआ है। आदि	**पेपर फोल्डिंग से पंखा** सभी बच्चों को काग़ज़ का एक चौकोर टुकड़ा दें। उसी तरह का टुकड़ा अपने हाथ में भी रखें। अब काग़ज़ को आगे–पीछे मोड़ते हुए पंखा बनाएँ। बच्चे ध्यान से देखें और वैसा ही पंखा बनाएँ। पंखा बनाने के बाद सभी अपना पंखा कक्षा में लगाएँ।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बंदर डाल पर बैठा है। क्या बंदर तू भूखा है? मेरे पास आ, रोटी खा, पानी पी घुट घुट घुट। बंदर कूद कूद कूद कूद।	**गतिविधि करे।** बच्चों के साथ कूदने की गतिविधि कराएँ जैसे– रस्सी कूद आदि।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	**उड़ते फूल** नामक कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें कि कहानी किस बारे में होगा। बच्चों को अनुमान लगाकर बोलने का मौक़ा दें।	**उड़ते फूल** नामक कहानी के चित्र पर चर्चा करें अगर चित्र को बदलना हो तो क्या बदलेंगे? बच्चों को बोलने का मौक़ा दें।	**मैंने देखा** इस गतिविधि में शिक्षक पहले बोलें मैंने देखा कि एक साइकिल पर एक बंदर बैठा कहीं जा रहा था। बच्चों से कहें कि आपने स्कूल आते समय क्या–क्या देखा?	**खुशी मेले गई** नामक कहानी के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को बोलने का मौक़ा दें कि कहानी में क्या हुआ होगा।	**जानवर** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**उड़ते फूल** नामक कहानी हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें, जैस– कहानी में क्या – क्या हुआ है? सीमा कहाँ घूम रही थी? सीमा फूल क्यों तोड़ना चाहती थी? आदि।	कल पढ़ी गई कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। कुछ बच्चों को अपने शब्दों में कहानी बताने के लिए प्रेरित करें।	कक्षा के अन्य बच्चों को कहानी उड़ते फूल अपने शब्दों में बताने को कहें।	**खुशी मेले गई** नामक कहानी हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें, जैसे – खुशी मेला क्यों जाना चाहती थी? खुशी किसके साथ मेला गई? मैंगो शेक क्या होता है और केसे बनता है? मेले में कौन–कौन सी दुकानें लगी थीं? आदि।	कल पढ़ी गई कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। जो बच्चे कल कहानी को अपने शब्दों में नहीं बता पाए थे आज उन्हें अपने शब्दों में कहानी बताने के लिए कहें।	
ध्वनि चेतना	05 मिनट	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्द बोलें और शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बच्चों से बताने को कहें। जैसे – फूल – फू ल आसान – आ सा न सीमा – सी मा बगीचे – ब गी चे	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्द बच्चों से बोलें और शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें। शब्दों की आखिरी ध्वनि बताने को कहें। तितलियाँ – ति त लि याँ तालियाँ – ता लि याँ मँडराना – म ड रा ना	**आवाज़ों से खेलना** बच्चों को दो समूह में बाँटें। एक समूह शब्द बोले, दूसरा समूह शब्द की अलग–अलग ध्वनियों को बोलने के साथ–साथ उस शब्द की पहली ध्वनि बताने को कहें।	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें। शब्दों की आखिरी ध्वनि बताने को कहें। झू ले – झूले दु का न – दुकान चू ड़ि याँ – चूड़ियाँ	**आवाज़ों से खेलना** बच्चों को दो समूह में बाँटें। एक समूह शब्द बोले, दूसरा समूह शब्द की अलग–अलग ध्वनियों को बोलने के साथ–साथ उस शब्द की पहली ध्वनि भी बताए।	
लेखन	10 मिनट	अलग–अलग फूलों के बारे में कहानी पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो बनाएँ उनका नाम भी लिखने को कहें।	**रक्षाबंधन** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं राखी का चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उन्हें शाबाशी दें।	**जंगल** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उन्हें शाबाशी दें और उनसे यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है।	**मेला** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो बनाएँ उनका नाम भी लिखने को कहें।	**खुशी मेले गई** कहानी पर बच्चों से चर्चा करें। उस कहानी में बच्चे को जो भी अच्छा लगा हो उसका चित्र बनाने को कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ पाँचवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे बातचीत कर सकें।

सप्ताह–5

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	10 मिनट	**गाओ और घुमाओ** खेल के लिए चाहिए रुमाल, दुपट्टा आदि। सभी बच्चे गोल घेरे में बैठें। आप उनकी तरफ़ पीठ करके ताली बजाना शुरू करें । ताली के साथ ही बच्चे भी रुमाल को एक हाथ से दूसरे बच्चे के हाथ में देते जाएँ । जैसे ही ताली रूके, जिस बच्चे के हाथ में रुमाल होगा, उसे कोई गीत, कविता या चुटकुला सुनाना होगा।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो बच्चों के साथ बड़े समूह में आहा ! टमाटर बड़ा मज़ेदार कविता हाव–भाव के साथ गाएँ ।	**क्या–क्या उड़ाओगे** सभी बच्चे गोल घेरे में बैठें। आप जल्दी–जल्दी बोलें, ''तोता उड़, चिड़िया उड़, गाय उड़'' आदि। जो बच्चा गलत चीज उड़ाता है, उसे कोई गीत' कविता, चुटकुला आदि सुनाने के लिए कहें ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो बच्चों के साथ बड़े समूह में कोई भी कविता हाव–भाव से गाएँ।	**नन्हीं–नन्हीं बूँदें मेरी छत पर कूदें** इस कविता को बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	15 मिनट	**खीर** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें कि यह कहानी किसके बारे में होगी? कहानी में क्या–क्या हो सकता है? आदि। बच्चों को अनुमान लगाकर बोलने का मौक़ा दें।	**खीर** कहानी के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को बोलने का मौक़ा दें। उनसे पूछें कि चित्र को और अच्छा कैसे बना सकते हैं?	शिक्षक बोलें, "मुझे मीठे में खीर खाना बहुत पसंद है। बच्चों से पूछें कि उनको मीठे में क्या–क्या खाना पसंद है? बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**गाय और बछड़ा** कहानी के चित्र पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। बच्चों से पूछें कि इस कहानी में क्या हुआ होगा?	**पशु** विषय पर बच्चों के साथ चर्चा करें। पशु हमारे जीवन में क्यों उपयोगी हैं? बच्चों से पूछें और उन्हें ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी / पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**खीर** कहानी को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है? किसने खीर बनाई? कहानी में क्या–क्या हुआ? आदि।	**खीर** कहानी पुनः पढ़कर सुनाएँ। फिर बच्चों से कुछ प्रश्न पूछें, जैसे – खीर कैसे बनती है? पापा को अगर खीर बनाना न आता तो क्या होता ? पापा की जगह आप होते तो क्या करते ?	बच्चों को **खीर** कहानी अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ।	**गाय और बछड़ा** कहानी को हाव–भाव से सुनाएँ एव चर्चा करें, जैसे – कजरी कौन थी? किसके घर में गाय थी? बछड़ा घास चरने कहाँ गया था। कजरी क्यों रँभाने लगी आदि।	बच्चों को **गाय और बछड़ा** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ ।	
ध्वनि चेतना	05 मिनट	**आवाज़ों से खेलना**–कुछ परिचित शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ मिलाकर बताने को कहें। साथ ही, शब्दों की आख़िरी ध्वनि भी पूछें । जैसे : खी र – खीर चा व ल – चावल पा नी – पानी दू ध – दूध	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों को बोलें और बच्चों से उन शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बताने को कहें। शब्दों की आख़िरी ध्वनि भी पूछें। जैसेः काजू का जू चीनी ची नी पतीला प ती ला	**आवाज़ों से खेलना** बच्चों को दो समूह में बाँटें। एक समूह शब्द बोले और दूसरा समूह उस शब्द की ध्वनियों को अलग–अलग बोले। साथ ही, शब्दों की दूसरी ध्वनि भी बताए। दोनों समूह के पास 5–5 शब्द होने चाहिए ।	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ मिलाकर बोलने को कहें। साथ ही, शब्दों की आख़िरी ध्वनि बताने को कहें। भू ख – भूख छो टा – छोटा दू ध – दूध	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों को बोलें और बच्चों से उन शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बताने को कहें। शब्दों की आख़िरी ध्वनि भी पूछें।	
लेखन	10 मिनट	**खीर** कैसे बनाई जाती हैं चर्चा करें और बच्चों से सूची बनाने के लिए कहें। कहानी पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं खीर बनाने में जो समाग्रियाँ लगती हैं उनका नाम लिखने को कहें।	**पकवान** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ, उन्हें शाबाशी दें और यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है?	**दशहरा** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ, उन्हें शाबाशी दें और यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है?	**चारागाह** विषय पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उसके बारे में पूछें।	**पशुपालन** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ, उन्हें शाबाशी दें और यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या बनाया है? बच्चों का समूह बनाएँ और पढ़ी गई कहानी पर अगले दिन रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ छठे सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे बातचीत कर सकें।

सप्ताह–6

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	10 मिनट	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो बच्चों के साथ बड़े समूह में नाव चली भई, नाव चली कविता हाव–भाव के साथ गाएँ ।	**बच्चों के साथ यह कविता हाव–भाव के साथ गाएँ।** म्याऊँ–म्याऊँ बिल्ली आती, दूध मलाई चट कर जाती। जहाँ दिखाई दे एक चूहा , दबे दबे वह पाँव बढ़ाती।	**बच्चों के साथ यह कविता हाव–भाव से गाएँ।** ऊपर मेवे का गोदाम नीचे करते कोहराम सारा दिन चोरी का काम खाते पिस्ता और बादाम आ जाए तो बिल्ली रानी याद आ जाती इनको नानी।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिन सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	**बच्चों के साथ यह कविता हाव–भाव से गाएँ।** माँ ने बड़े प्यार से मुझे उठाकर, सुबह किया तैयार। मैं बोला माँ आज है छुट्टी, आज आ गया फिर इतवार। माँ बोली आलस को छोड़ो फिर ना करना ऐसी भूल। गंदे बच्चे कहलाओगे, अगर ना जाओगे स्कूल।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	15 मिनट	**खेल** विषय पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें, जैसे –आप कौन–कौन से खेल खेलते हैं? आपको कौन–सा खेल पसंद है? आदि।	**टिफ़िन बॉक्स** कहानी के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	अगर आपको पिकनिक पर टिफ़िन लेकर जाना हो तो आप उसमें क्या–क्या लेकर जाना पसंद करेंगे? बच्चों से चर्चा करें।	आज अपने घर से स्कूल आते समय क्या–क्या देखा पर चर्चा करें और बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**भूत मेरी मुठ्ठी में** कहानी के चित्र पर चर्चा करें कि चित्र को देखकर क्या लगता है कहानी किस बारे में होगी? बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी / पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**टिफ़िन बॉक्स** कहानी के नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने मौक़ा दें। बच्चों से पूछें कि यह कहानी किस बारे में होगी और कहानी में क्या हुआ होगा?	**टिफ़िन बॉक्स** कहानी हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें, जैसे – टिफ़िन किसका था? टिफ़िन से कौन प्यार करती है? स्कूल में किसके दोस्त हैं और कौन–कौन हैं? आदि।	कल पढ़ी गई कहानी बच्चों को अपने शब्दों में बताने के लिए कहें। ज़रूरत के अनुसार पुनः कहानी पढ़कर सुनाएँ।	कक्षा के अन्य बच्चों को पिंकू बनकर 'टिफ़िन बॉक्स कहानी सुनाने को कहें तथा शिक्षक कहानी से सम्बंधित कुछ प्रश्न भी पूछें। जैसे– स्कूल क्यों बन्द थे? टिफ़िन में अब सिर्फ पेंसिल रबड़ ही क्यों थे?	**भूत मेरी मुठ्ठी** में हाव–भाव से कहानी सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। चमकू किसका दोस्त है? चमकू मामा जी के घर से क्या लाया? चमकू के सपने में कौन आया? आदि।	
ध्वनि चेतना	05 मिनट	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ मिलाकर बताने को कहें। साथ ही, शब्दों की आख़िरी ध्वनि भी पूछें ।	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों को बोलें और बच्चों से उन शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बताने को कहें। शब्दों की पहली और आख़िरी ध्वनि भी पूछें। जैसे– नारियल – ना रि य ल समय – स म य सामान – सा मा न	**आवाज़ों से खेलना** बच्चों को दो समूह में बाँटें। एक समूह शब्द बोले और दूसरा समूह उस शब्द की ध्वनियों को अलग–अलग बोले। साथ ही शब्दों की दूसरी ध्वनि भी बताएँ। दोनों समूह के पास 5–5 शब्द होने चाहिए ।	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ मिलाकर बोलने को कहें। साथ ही शब्दों की आख़िरी ध्वनि बताने को कहें।	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों को बोलें और बच्चों से उन शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बताने को कहें। शब्दों की पहली और दूसरी ध्वनि भी पूछें। जैसे – चमकू – च म कू भूत – भू त सपने – स प ने	
लेखन	10 मिनट	**टिफ़िन बॉक्स** कहानी पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित एक नया चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ और उनका नाम लिखने को कहें ।	**दिन** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ, उन्हें शाबाशी दें और यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है?	**चिड़ियाघर** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ, उन्हें शाबाशी दें और यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है?	**टिफ़िन** कितनी तरह की होती हैं बच्चों से पूछें और उनका चित्र बनाने को कहें। बच्चे से कहें कि वह अपने टिफ़िन का कोई नाम भी रखें।	**डर** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ, उन्हें शाबाशी दें और यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है? बच्चों का समूह बनाएँ और पढ़ी गई कहानी पर अगले दिन रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ सातवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे बातचीत कर सकें।

सप्ताह–7

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	10 मिनट	**बच्चों के साथ यह कविता हाव–भाव से गाएँ।** सच कहती है मेरी नानी। उठो सवेरे पियो पानी। सुबह उठकर जो पानी पीता। खुशी–खुशी वह जीवन जीता।	**बच्चों के साथ यह कविता हाव–भाव के साथ गाएँ।** चंटू मिंटू भाई–भाई मिलती–जुलती सूरत पाई बिना दाँत हँसते ही–ही जैसे कोई बुढ़िया माई एक खिलौना तुम रखो भाई फिर देखो तुम हाथापाई उनको लिए रहते गोदी में मम्मी–पापा ताऊ– ताई	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिन सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	**बच्चों के साथ यह कविता हाव–भाव से गाएँ।** एक–एक दिन यदि तुम पेड़ लगाओ, तो तुम बाग लगा दोगे। एक–एक तुम ईंट जोड़ो, तो तुम मक़ान बना दोगे। एक–एक तुम पैसे जोड़ो, तो तुम बन जाओगे धनवान। एक–एक यदि अक्षर पढ़ लो, तो तुम बन जाओगे विद्वान।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। कुछ बच्चों को सुनाने का मौक़ा दें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	15 मिनट	**पानी** शब्द पर चर्चा करें, जैसे – पानी में कौन – कौन से जीव रहते हैं? पानी पीना क्यों ज़रूरी है? हमारे जीवन के लिए और क्या–क्या ज़रूरी है? बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा अनुमान लगाकर बोलने का मौक़ा दें।	**रसोईघर** के बारे में बातचीत करें। जैसे – रसोईघर में क्या–क्या सामान होते हैं? बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**रेहान का सवाल** कहानी के चित्र पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। चित्र को देखकर क्या लगता है कहानी किस बारे में होगी?	**रेहान का सवाल** कहानी के पाठ/शीर्षक के नाम व पात्रों पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**मौसम** विषय पर चर्चा करें, जैसे – कौन–कौन से मौसम होते हैं? आपको कौन–सा मौसम पसंद है? आदि। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**भूत मेरी मुठ्ठी** में कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ । बच्चों को अपने शब्दों में कहानी सुनाने के लिए कहें ।	कहानी को हाव–भाव से पढ़ने के लिए प्रेरित करें। 4–5 बच्चों को पढ़ने का मौक़ा दें।	**रेहान का सवाल** कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। बच्चों के समूह बनाएँ और उन्हें कहानी पर प्रश्न बनाने और एक दूसरे से पूछने के लिए कहें।	कल पढ़ी गई कहानी बच्चों को अपने शब्दों में बताने के लिए कहें । ज़रूरत के अनुसार पुनः कहानी पढ़कर सुनाएँ।	**रेहान का सवाल** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें ।	
ध्वनि चेतना	05 मिनट	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ मिलाकर बताने को कहें। साथ ही, शब्दों की आख़िरी ध्वनि भी पूछें । आज यह खेल बच्चों के साथ लिखित रूप में करवाएँ, जैसेः ड र डर रा त रात भू त भूत	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ मिलाकर बताने को कहें। साथ ही शब्द की आख़िरी ध्वनि भी पूछें । आज यह खेल बच्चों के साथ लिखित रूप में करवाएँ।	**आवाज़ों से खेलना** बच्चों को दो समूह में बाँटें। एक समूह शब्द बोले और दूसरा समूह उस शब्द की ध्वनियों को अलग–अलग लिखे। साथ ही, शब्दों की दूसरी ध्वनि भी बताए। दोनों समूह के पास 5–5 शब्द होने चाहिए ।	**आवाज़ों से खेलना** बच्चों को दो समूह में बाँटें। एक समूह शब्द बोले और दूसरा समूह उस शब्द की ध्वनियों को अलग–अलग लिखे। साथ ही, शब्दों की दूसरी ध्वनि भी बताए। दोनों समूह के पास 5–5 शब्द होने चाहिए ।	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों को बोलें और बच्चों से उन शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग बताने को कहें। शब्द की पहली, दूसरी और आख़िरी ध्वनि भी पूछें। यह खेल लिखित रूप में भी करवाएँ।	
लेखन	10 मिनट	**पेड़** शब्द पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उनका नाम लिखने को कहें ।	**रसोईघर** विषय से सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चों ने जो भी चित्र बनाएँ हैं, इसके लिए उन्हें शाबाशी दें और उनसे यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है?	**रेहान का सवाल** कहानी पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उनका नाम लिखने को कहें। गलत लिखे शब्दों को आवाज़ों की मदद से सही करने को कहें।	**स्कूल** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ, उन्हें शाबाशी दें और यह ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है?	**फ़ुटबाल** मैदान का चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उनका नाम लिखने को कहें । बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ आठवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे बातचीत कर सकें।

सप्ताह–8

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	10 मिनट	**कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** हईया रे–हईया रे छोटी–सी नइया। बच्चों के साथ आओ खेलें से कराएँ।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** लड्डू भाई गोल मटोल बोलो बोलो कितना मोल? तुम्हें देख कर हो जाती है मेरी हालत डाँवा–डोल लड्डू भाई गोल मटोल बोलो–बोलो कितना मोल? जब–जब देखे थाल भरे सबके मुँह से लार गिरे आ जाओ तुम दूर न हो क्यों करते हो टाल मटोल? लड्डू भाई गोल मटोल बोलो बोलो कितना मोल ?	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	छोटे मामाजी के घर **एक छोटी सी बिलईया रे** कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	15 मिनट	**गुड़हल का पौधा** कहानी के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा अनुमान लगाकर कहानी क्या होगी बताने का मौक़ा दें।	**गुड़हल का पौधा** कहानी के नाम व पात्रों पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	शिक्षक बच्चों से **फूल** विषय पर चर्चा करें और बच्चों से पूछें कि उन्होंने कौन–कौन से फूल देखे हैं? उन्हें कौन–सा फूल पसंद है? फूलों का उपयोग कहाँ–कहाँ होता है? आदि। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें ।	**चटनी** कहानी के चित्र पर चर्चा करें, जैसे – चटनी किन – किन चीजों से बनाई जाती है? चटनी का स्वाद कैसा होता है ? आदि । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**चटनी** कहानी के नाम व पात्रों पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी / पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	15 मिनट	**गुड़हल का पौधा** कहानी हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें, जैसेः कहानी में कौन–कौन है? कहानी में क्या–क्या हुआ? सुन्दर बगीचे में कौन रहता था? समर कौन था?आदि ।	**गुड़हल का पौधा** कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। बच्चों से राय देने वाले प्रश्न और सोचकर जवाब देने वाले प्रश्न पूछें। जैसे– गुडहल के फूल के अलावा चार फूल के नाम बताइये?	**गुड़हल का पौधा** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए बच्चों से कहें।	बच्चों को **चटनी** कहानी हाव–भाव से सुनाएँ साथ ही कहानी पर चर्चा करें। किसके बीच बातें हो रही थीं? धनिया किस रंग का होता है? किसे चटनी बहुत पसन्द हैं?	**चटनी** कहानी को अगर दादी सुनाती तो क्या सुनाती? दादी बनकर कहानी सुनाएँ।	
ध्वनि चेतना	10 मिनट	**बच्चों को अक्षर की गतिविधि कराएँ।** जैसे – का में कौन सी नई ध्वनि लगाएँ कि नया शब्द बन जाए? उदाहरण के लिए काला काम, काढ़ा, काट, कान, काका, काकी आदि ।	बारहखड़ी से ग और ल की दो लाइन पढ़कर सुनाएँ। ध्यान दें कि बच्चे पीछे–पीछे न दोहराएँ और इसके बाद कुछ बच्चों को पढ़ने का मौक़ा दें।	पिछले दिन पढ़ी गई बारहखड़ी की दो लाइन को पढ़कर सुनाएँ । उसके बाद कुछ बच्चों को बुलाकर बारहखड़ी की इकाई पढ़ने के लिए कहें। साथ ही, अलग–अलग इकाई ढूँढने के लिए कहें। जैसे – गी कहाँ है? ल या ला, लू या गू, गौ कहाँ हैं?	बारहखड़ी से च और न की दो लाइनें पढ़कर सुनाएँ और इसके बाद कुछ बच्चों को पढ़ने का मौक़ा दें ।	पिछले दिन पढ़ी गई बारहखड़ी की दो लाइन को पुनः पढ़कर सुनाएँ। कुछ बच्चों को बुलाकर बारहखड़ी इकाई पढ़ने को बोलें और साथ ही बच्चे को इकाई ढूँढने को कहें।	
लेखन	10 मिनट	**एक से अनेक** गतिविधि के अंतर्गत बोर्ड पर कोई एक अक्षर लिखें और उससे बनने वाले शब्द बच्चों से पूछें और बोर्ड पर लिखने को कहें। बच्चा न लिख पाए तो बच्चों की मदद करें। बच्चों को आवाज़ों की मदद से शब्द लिखने के लिए प्रेरित करें।	**पौधा** शब्द सुनकर बच्चों के दिमाग में कौन–कौन से शब्द आते हैं। पहले चर्चा करें फिर उन्हें ज़मीन या कॉपी पर लिखने को कहें।	**पेड़** विषय पर बच्चों के साथ चर्चा करें और कुछ पेड़ों के नाम लिखने के लिए कहें ।	**एक से अनेक** गतिविधि के अंतर्गत बोर्ड पर कोई एक अक्षर लिखें जैसे– च या न और उससे बनने वाले शब्द बच्चों से पूछें और बोर्ड पर लिखने को कहें। बच्चा न लिख पाए तो बच्चों की मदद करें। बच्चों को आवाज़ों की मदद से शब्द लिखने के लिए प्रेरित करें।	**चटनी** कहानी पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाकर उनके नाम लिखने को कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ नौवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अक्षर को समझ के साथ पहचान सकें।

सप्ताह–9

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ यह कविता हाव–भाव से गाएँ।** बिल्ली मौसी, बिल्ली मौसी कहो कहाँ से आई हो, कितने चूहे मारे तुमने ? कितने खाकर आई हो? क्या बताऊँ, शीला बहन आज नहीं कुछ पेट भरा, एक ही चूहा खाया मैंने। वह भी बिल्कुल सड़ा हुआ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	बच्चों से कोई खेल कराने को कहें।	आज बच्चों से उनकी मनपसंद कविता/गाना सुनें।	चूँ–चूँ करती जाती चिड़िया, फुर–फुर उड़ती जाती चिड़िया, फुदक फुदक कर गाना गाती, रोज सवेरे मुझे जगाती। यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।	
बातचीत	05 मिनट	**मोटी आँखों वाली चिड़िया** कहानी के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**मोटी आँखों वाली चिड़िया** कहानी के नाम व पात्रों पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**घोंसला** विषय पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**साँप और नेवला** कहानी के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**साँप और नेवला** कहानी के पात्रों पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**मोटी आँखों वाली चिड़िया** बच्चों को हाव–भाव से कहानी सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौका दें।	**मोटी आँखों वाली चिड़िया** कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। बच्चों से राय देने वाले प्रश्न और सोचकर जवाब देने वाले प्रश्न पूछें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को पढ़ने का मौका दें।	**मोटी आँखों वाली चिड़िया** कहानी को बोर्ड पर लिखें। बच्चों को छोटे–छोटे समूह में कहानी पढ़ने का अभ्यास करने को कहें। इसके बाद हर समूह से एक–दो बच्चों को कहानी बड़े समूह में पढ़कर सुनाने को कहें।	**साँप और नेवला** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। साँप औन नेवले में क्यों आपा–धापा हो रही थी? नेवला क्यों साँप के पीछे पड़ा था?	**साँप और नेवला** कहानी को हाव–भाव से पढ़कर/अपने शब्दों में कहानी सुनाने के लिए प्रेरित करें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
ध्वनि चेतना/बारहखड़ी	20 मिनट	**बारहखड़ी** बच्चों के साथ अक्षर की गतिविधि कराएँ, जैसे आज पढ़ी गई कहानी में ''म'' अक्षर कितनी बार आया है, बताने और उससे शुरू होने वाले शब्द पढ़कर सुनाने के लिए कहें।	**बारहखड़ी** बारहखड़ी की कोई दो लाइन पढ़कर सुनाएँ। ध्यान दें कि बच्चे पीछे–पीछे न दोहराएँ और इसके बाद कुछ बच्चों को पढ़ने का मौका दें। किसी एक अक्षर की बारहखड़ी की इकाइयों को बीच–बीच से बोलें और बच्चों को कॉपी या जमीन पर लिखने को कहें।	**बारहखड़ी** बारहखड़ी म और र की दो लाइन पढ़कर सुनाएँ। ध्यान दें कि बच्चे पीछे–पीछे न दोहराएँ और इसके बाद कुछ बच्चों को पढ़ने का मौका दें। किसी एक अक्षर की बारहखड़ी की इकाइयों को बीच–बीच से बोलें और बच्चों को कॉपी या जमीन पर लिखने को कहें।	**अक्षर कूद** ज़मीन पर कुछ खाने बनाकर उनमें कुछ अक्षर लिखें। एक–एक करके बच्चों का नाम लें और अक्षर बोलें, घेरे में खड़े बच्चे बारी–बारी उस अक्षर पर कूदें और उस अक्षर से शुरू होने वाले दो शब्द बताएँ।	**बारहखड़ी** ब्लैकबोर्ड पर स और प दो अक्षरों की बारहखड़ी लिखकर बच्चों से उन इकाइयों से शब्द बनाकर पढ़कर सुनाने को कहें।	
लेखन	10 मिनट	**एक से अनेक** बोर्ड पर कोई एक अक्षर लिखें एवं उससे बनने वाले शब्द बच्चों से पूछें और बोर्ड पर लिखने को कहें। बच्चे न लिख पाएँ तो उनकी मदद करें। बच्चों को आवाज़ों की मदद से शब्द लिखने के लिए प्रेरित करें।	**चिड़िया** शब्द सुनकर बच्चों के दिमाग में कौन–कौन से शब्द आते हैं। उन्हें ज़मीन या कॉपी पर लिखने को कहें। लेखन की समीक्षा करें और गलत शब्दों को बारहखड़ी की मदद से सही करने को कहें।	**पक्षी** विषय पर बच्चों को कुछ शब्द सोचने एवं लिखने के लिए कहें। लेखन की समीक्षा करें और गलत शब्दों को आवाज़ों और बारहखड़ी की मदद से सही करने को कहें।	**चित्र कार्ड** पर चर्चा करें और एवं उनका नाम लिखने के लिए कहें। लेखन की समीक्षा करें और गलत शब्दों को आवाज़ों और बारहखड़ी की मदद से सही करने को कहें।	**झाड़ी** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो बनाएँ उनका नाम भी लिखने को कह सकते हैं। बच्चों का समूह बनाएं और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ दसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अक्षर को समझ के साथ पहचान सकें।

सप्ताह–10

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** तोता हूँ मैं तोता हूँ, हरे रंग का होता हूँ, लाल मेरी चोंच है, बागों में मैं रहता हूँ, मीठे फल खाता हूँ, माली के बेटे को देख, पत्तों में छिप जाता हूँ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	**यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** बंदर मामा पहने सूट, पैर में उनके बढ़िया बूट, जेब में आला गले में डाला, बैग दवाई का ले डाला, साइन बोर्ड अपना लगवाया, डॉक्टर बंदर सिंह लिखवाया।	छोटे मामाजी के घर **एक छोटी सी बिलइया रे** कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	05 मिनट	**पैरों की छाप** कहानी के चित्र पर चर्चा करें। चित्र को देखकर कहानी किस बारे में होगी? बताएँ। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**पैरों की छाप** कहानी के पात्रों पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**किताब** विषय पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**दीदी की शादी** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**दीदी की शादी** कहानी के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	
कहानी / पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**पैरों की छाप** बच्चों को हाव–भाव से कहानी सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	**पैरों की छाप** कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। बच्चों से राय देने वाले प्रश्न और सोचकर ज़वाब देने वाले प्रश्न पूछें। जोजो कहाँ बैठा था? सोचिए दोनों ने क्या–क्या बातें की होंगी?	**पैरों की छाप** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें।	**दीदी की शादी** बच्चों को हाव–भाव से कहानी सुनाएँ और कहानी पर प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	**दीदी की शादी** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के कहें। कहानी पर चर्चा करें ढोलू ने ऐसा क्यों और क्या कहा कि उसके पापा सोच में पड़ गए?	
ध्वनि चेतना / बारहखड़ी	20 मिनट	**बारहखड़ी** छ और र की बारहखड़ी की दो लाइन बोर्ड पर लिखें और स्वयं स्पष्ट उच्चारण के साथ पढ़ें। सभी बच्चे ध्यान से देखें और सुने पीछे–पीछे न दोहराएँ। कुछ बच्चों को पढ़ने का मौक़ा दें।	**बारहखड़ी** कल की पढ़ी हुई बारहखड़ी को दुबारा पढ़ें और बच्चों के पढ़ने के बाद उनसे अलग–अलग इकाई पूछें।	**अक्षर कूद** ज़मीन पर कुछ खाने बनाकर उनमें कुछ अक्षर लिखें। एक–एक करके बच्चों का नाम लें और अक्षर बोलें, घेरे में खड़े बच्चे बारी–बारी उस अक्षर पर कूदें और उस अक्षर से शुरू होने वाले दो शब्द बताएँ।	**बारहखड़ी** द और श अक्षरों की बारहखड़ी बोर्ड पर लिखें और फिर स्वयं स्पष्ट उच्चारण के साथ पढ़ें। सभी बच्चे ध्यान से देखें और सुनें पीछे –पीछे न दोहराएँ। रोज 2–3 बच्चों को पढ़ने का मौका दें। साथ ही बच्चों से बीच–बीच से इकाई भी पूछें।	**बारहखड़ी** बारहखड़ी बोर्ड पर लिखें और स्वयं स्पष्ट उच्चारण के साथ पढ़ें। सभी बच्चे ध्यान से देखें और सुने पीछे –पीछे न दोहराएँ। रोज कुछ बच्चों को पढ़ने का मौका दें। बच्चों से बारहखड़ी की दो लाइन से अधिक से अधिक शब्द लिखकर पढ़ने के लिए कहें।	
लेखन	10 मिनट	**बाग** शब्द सुनकर बच्चों के दिमाग में कौन–कौन से शब्द आते हैं। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई पाँच शब्द चुनकर बच्चों से जमीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें।	**पैरों की छाप** कहानी से कोई पाँच शब्द चुनें और उनसे पाँच वाक्य लिखने को कहें। साथ ही, स्वयं पढ़कर वाक्य सही करने को कहें।	**क़लम** शब्द सुनकर बच्चों के दिमाग में कौन–कौन से शब्द आते हैं। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। लेखन की समीक्षा करें।	**शादी** के समय का चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी बनाएँ उनसे ज़रूर पूछें कि उन्होंने क्या बनाया है?	**शादी** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो बनाएँ उसका नाम व उसके बारे में वाक्य लिखने को कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ ग्यारहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अक्षर को समझ के साथ पहचान सकें।

सप्ताह–11

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**यह कविता बच्चों के साथ हावभाव से गाएँ।** मेरी गुड़िया है बीमार, देखो कितना तेज बुखार। कल था डटकर बरसा पानी, भींगी जिसमें गुड़िया रानी। गीले कपड़े दिए उतार, फिर भी उसको तेज बुखार। जल्दी से डॉक्टर बुलवाओ, फौरन उसको दवा दिलाओ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	**यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** क्यों रूठी हो बिटिया रानी, खा लो लड्डू, पी लो पानी। अच्छे बच्चे जिद नहीं करते, बात मान लो बिटिया रानी।	आज बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना सुनें।	**हाव–भाव के साथ गाने को कहें।** सुबह–सुबह जब सूरज निकला हमने कहा एक बात बताओ? रोज सुबह तुम आते हो दिन भर खूब तपाते हो सूरज ने हमें आंखें दिखाई नई बात कुछ भी ना बताई	
बातचीत	05 मिनट	**दीदी की शादी** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**फूल और फूलदान** कहानी के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**फूल और फूलदान** कहानी के पात्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से **बगीचा** विषय पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**रेल** शब्द पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**दीदी की शादी** बच्चों से दीदी बनकर यह सुनाने के लिए कहें। बच्चों के 2 समूह बनाएँ। एक समूह को दूसरे समूह से प्रश्न पूछने के लिए कहें।	**फूल और फूलदान** बच्चों को हाव–भाव से कहानी सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। फूल और फूलदान में क्या–क्या बातें हो रही थीं? कहानी के अंत में क्या हुआ?	**फूल और फूलदान** बच्चों को अपने शब्दों में कहानी बताने के लिए कहें। जरूरत होने पर दोबारा कहानी हाव–भाव से पढ़कर सुनाएँ। साथ ही, बच्चों से राय देने वाले और सोचकर जवाब देने वाले प्रश्नों पर चर्चा करें।	**फूल और फूलदान** बच्चों से फूलदान बनकर कहानी सुनाने के लिए कहें। बच्चों के 2 समूह बनाएँ। एक समूह को दूसरे समूह से प्रश्न पूछने के लिए कहें।	**छुक–छुक–छुक** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
ध्वनि चेतना/बारहखड़ी	20 मिनट	**बारहखड़ी** बारहखड़ी की कोई दो लाइन बोर्ड पर लिखें। स्वयं स्पष्ट उच्चारण के साथ पढ़ें। सभी बच्चे ध्यान से देखें और सुने पीछे –पीछे न दोहराएँ। रोज कुछ बच्चो को पढ़ने का मौका दें। बच्चों से बारहखड़ी की दो लाइनों से अधिक से अधिक शब्द लिखकर पढ़ने के लिए कहें।	**मिलते–जुलते शब्द** कोई एक शब्द ब्लैकबोर्ड पर लिखें और उससे मिलते–जिलते शब्द बच्चों को बोलकर लिखने को कहें। जैसे– बालू, चालू, मालू, खालू आदि। इसी तरह अलग–अलग शब्दों के साथ यह गतिविधि कराएँ।	**अक्षरों का खेल** शिक्षक 4 से 5 अक्षरों को बोर्ड पर लिखें। उन अक्षरों से अधिक से अधिक शब्द बनाकर कॉपी में लिखने को कहें। जो बच्चा सबसे अधिक सही शब्द लिखेगा वह खेल का विजेता होगा।	**बारहखड़ी** तीन अक्षर की बारहखड़ी ब्लैकबोर्ड पर लिखें। 3–4 बच्चों को बारहखड़ी की लाइन पढ़कर सुनाने को कहें। तीन अक्षर की इकाइयों से अधिक से अधिक शब्द कॉपी या ज़मीन पर लिखने को कहें।	**अक्षर पहचानें** खोजो मेरे अक्षर – कोई एक अक्षर ब्लैक बोर्ड पर लिखें और उस अक्षर से शुरू होने वाले शब्दों को पढ़ाई गई कहानी में ढूँढकर उस पर गोला लगाने, लिखने एवं पढ़ने को कहें।	
लेखन	10 मिनट	**जन्मदिन** की पार्टी करनी है तो खाने की कौन–कौन सी चीजों को शामिल करेंगे? एक सूची बनाएँ। समीक्षा करें, गलत शब्दों को बारहखड़ी व आवाजों की मदद से सही करने को कहें।	**गुलदस्ता** विषय पर बच्चों के साथ चर्चा करें और उससे सम्बंधित शब्द लिखने को कहें। बच्चे एक–दूसरे से कॉपी बदलकर समीक्षा करें। गलत शब्दों को बारहखड़ी व आवाजों की मद्द से सही करने को कहें।	**फूल और फूलदान** कहानी पर कोई चित्र बनाकर पाँच लाइन लिखने को कहें। बच्चे एक–दूसरे से कॉपी बदलकर समीक्षा करें।	**स्टेशन** शब्द सुनकर बच्चों के दिमाग में कौन–कौन से शब्द आते हैं। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। लेखन की समीक्षा करें।	**रेल** विषय से सम्बंधित चित्र बनाकर वाक्य लिखने को कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ बारहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अक्षर को समझ के साथ पहचान सकें।

सप्ताह–12

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**यह कविता बच्चों के साथ हावभाव से गाएँ।** कलकत्ते से आई रेल, आओ भाई खेलें खेल, राज सीटी बजाएगा, फिर बड़ा मजा आएगा, रीता गाना गाएगी, ऐमन ताली बजाएगा, बबलू नाच दिखाएगा, फिर बड़ा मजा आएगा, आओ आओ खेलें खेल सब मिलकर बन जाए रेल अमर झंडी दिखाएगा फिर बड़ा मजा आएगा।	आज बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता / गाना सुनें।	चूहा आया चूहा आया, सब बच्चों को खूब दौड़ाया। कभी इधर तो कभी उधर, कूद–कूद के उधम मचाया। यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई। कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	लकड़ी की काठी,काठी पे घोड़ा, घोड़े की दुम पे जो मारा हथौड़ा, दौड़ा–दौड़ा–दौड़ा घोड़ा दुम उठा के दौड़ा। टकबक– टकबक टकबक– टकबक लकड़ी की काठी, काठी पे घोड़ा, घोड़ा था घमंडी पहुँचा सब्जी मंडी। सब्जी मंडी में बर्फ पड़ी थी, घोड़े को लग गई ठंडी। टकबक–,टकबक– टकबक–टकबक कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	05 मिनट	**छुक–छुक–छुक** कहानी पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**छुक–छुक–छुक** नामक कहानी के नाम,पात्रों पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**खेल** विषय पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**मुर्गा मामू** कहानी के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**मुर्गा मामू** कहानी के नाम, पात्रों पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	
कहानी / पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**छुक–छुक–छुक** बच्चों को हाव–भाव से कहानी सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौका दें।	**छुक–छुक–छुक** बच्चों को हाव–भाव से कहानी सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें।अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौका दें।	**छुक–छुक–छुक** कहानी बच्चों को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। बच्चों के 2 समूह बनाएँ। एक समूह को दूसरे समूह से प्रश्न पूछने के लिए कहें।	**मुर्गा मामू** बच्चों को हाव–भाव से कहानी सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौका दें	**मुर्गा मामू** कहानी बच्चों को अपने शब्दों में बताने के लिए कहें। साथ ही राय देने वाले, सोचकर जवाब देने वाले और उनके जीवन से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा करें	
ध्वनि चेतना / बारहखड़ी	20 मिनट	**अक्षर से शब्द बनाओ** कक्षा में कराए गए अक्षरों में से 4–5 अक्षर ब्लैकबोर्ड पर लिख दें। जैसे– म, त, ल, क, न फिर उन अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाने के लिए कहें, जैसे– नल, तल, कमल आदि।	**मिलते–जुलते शब्द** कोई एक शब्द ब्लैकबोर्ड पर लिखें और उससे मिलते–जुलते शब्द कॉपी या जमीन पर लिखने को कहें। जैसे – जाली, माली, नाली आदि। कोशिश करें कि बच्चे सार्थक शब्द ही लिखें।	**बारहखड़ी** तीन अक्षर की बारहखड़ी की लाइनों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कुछ बच्चों को बारहखड़ी की लाइन पढ़कर सुनाने को कहें। तीन अक्षर की इकाइयों से अधिक से अधिक शब्द कॉपी या जमीन पर लिखने को कहें। बच्चे कोशिश करें की शब्द सार्थक हों।	**बारहखड़ी** पिछले दिन पढ़ी गई बारहखड़ी की लाइनों को बड़े समूह में पढ़कर सुनाएँ। कुछ बच्चों को बुलाकर बारहखड़ी की इकाई बोलें और बच्चे को इकाई ढूँढकर बताने के लिए कहें।	**शब्दों की अन्ताक्षरी** बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ। कोई एक शब्द बोलें और बच्चे शब्द की आखिरी अक्षर से शब्द बताएँ, फिर बच्चे के बराबर में बैठा दूसरा बच्चा उस शब्द की आखिरी आवाज से शब्द बताएँ, जैसे– कमल,लड़का, कान आदि। इसी तरह यह खेल आगे बढ़ता जाएँगा।	
लेखन	10 मिनट	**यातायात के साधन** शब्द सुनकर बच्चों के दिमाग में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं। उन्हें ज़मीन या कॉपी पर लिखने को कहें। बच्चे एक–दूसरे से कॉपी बदलकर समीक्षा करें।	**छुक–छुक–छुक** कहानी पर कोई चित्र बनाकर चार–पाँच वाक्य लिखने को कहें। बच्चे एक–दूसरे से कॉपी बदलकर समीक्षा करें।	**तैराकी** शब्द पर चर्चा करें और उससे सम्बंधित शब्द व वाक्य लिखने को कहें। बच्चे एक–दूसरे से कॉपी बदलकर समीक्षा करें।	**सुबह** शब्द सुनकर बच्चों के दिमाग में कौन–कौन से शब्द आते हैं। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें।	**मुर्गा मामू** कहानी पर कोई चित्र बनाकर पाँच वाक्य लिखने को कहें। बच्चे एक–दूसरे से कॉपी बदलकर समीक्षा करें। गलत शब्दों को बारहखड़ी व आवाजों की मदद से सही करने को कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ तेरहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : बच्चे ध्वनि–चिह्नों को पहचान सकें और आसान शब्द पढ़ व बना सकें।

सप्ताह–13

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	बच्चों के साथ **मोर है मेरा नाम रे** कविता हाव–भाव से गाएँ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	बच्चों के साथ **छोटे मामा जी के घर** एक मोटी सी बिलईया रे कविता हाव–भाव के साथ गाएँ।	बच्चों से पूर्व में की गई कोई भी गीत/कविता हाव–भाव से गाने के लिए कहें।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे गतिविधि को देखें और करें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	05 मिनट	**रोटी गई, रोटी आई** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**रोटी गई, रोटी आई** कहानी पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से **दिवाली** विषय पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**पतंग के साथ उड़ना** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**पतंग के साथ उड़ना** कहानी पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**रोटी गई, रोटी आई** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है? कहानी में क्या–क्या हुआ? आदि।	**रोटी गई, रोटी आई** कहानी बच्चों को हाव–भाव से पुनः सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	**रोटी गई, रोटी आई** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। ज़रूरत के अनुसार बच्चों की मदद करें।	**पतंग के साथ उड़ना** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है? कहानी में क्या–क्या हुआ? आदि।	**पतंग के साथ उड़ना** कहानी बोर्ड पर लिखें और अँगुली रखते हुए पढ़ें। अब कौन पढ़ेगा? कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	
शब्द निर्माण	20 मिनट	बच्चों को कुछ अक्षर देकर उससे शब्द बना कर लिखने एवं पढ़ने के लिए कहें। जैसे – क , न, ह , ल शब्द = कल , नल , हक ,लक”	**मिलते–जुलते शब्द** – कोई एक शब्द ब्लैकबोर्ड पर लिखें, जैसे : काला और उससे मिलते–जुलते शब्द कॉपी या ज़मीन पर बच्चों से लिखने को कहें। जैसे– माला, ताला आदि। कोशिश करें कि बच्चे सार्थक शब्द ही लिखें।	तीन अक्षर की बारहखड़ी की लाइनों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कुछ बच्चों को बारहखड़ी की लाइन पढ़कर सुनाने को कहें। तीन अक्षर की इकाइयों से अधिक से अधिक शब्द कॉपी या ज़मीन पर लिखने को कहें। बच्चे कोशिश करें की शब्द सार्थक हों।	पिछले दिन पढ़ी गई बारहखड़ी की लाइनों को बड़े समूह में पढ़कर सुनाएँ। 4–5 बच्चों को बुलाकर बारहखड़ी की इकाई बोलें और बच्चे को इकाई ढूँढकर बताने के लिए कहें।	कोई भी एक शब्द बोलें। जैसे **नानी** बच्चों से पहली और आखिरी आवाज़ें पूछें। अब बच्चों से पूछें कि नी की जगह ली लगा दें तो क्या बनेगा? बच्चे बोलेंगे नाली। इस प्रकार अलग–अलग शब्दों के साथ यह खेल खेलें और नए बने शब्दों को लिखने और पढ़कर बताने के लिए कहें।	
लेखन	10 मिनट	**खेत** शब्द सुनकर बच्चों के मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं चर्चा करें। शब्दों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। लेखन की समीक्षा करें और ग़लत शब्दों को बारहखड़ी की मदद से सही करने को कहें।	**रोटी** शब्द सुनकर बच्चों के मन में कौन–कौन से शब्द आते है। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। लेखन की समीक्षा करें और ग़लत शब्दों को बारहखड़ी की मदद से सही करने को कहें।	**रोटी गई, रोटी आई** कहानी को अपने शब्दों में लिखने को कहें। लेखन की समीक्षा करें और ग़लत शब्दों को स्वयं से पढ़कर सही करने को कहें।	**पालतू जानवर** विषय पर बच्चों के साथ चर्चा करें और मनपसन्द पालतू जानवर के बारे में लिखने के लिए कहें।	बच्चो से **सड़क** विषय पर बातचीत करें। बातचीत करने के बाद उन्हें सड़क पर क्या–क्या चीजें दिखाई देती हैं, उसकी सूची बनाने के लिए कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ चौदहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : बच्चे ध्वनि–चिह्नों को पहचान सकें और आसान शब्द पढ़ व बना सकें।

सप्ताह–14

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** तोता हूँ मैं तोता हूँ, हरे रंग का होता हूँ। लाल मेरी चोंच है, बागों में मैं रहता हूँ। मीठे फल खाता हूँ, माली के बेटे को देख। पत्तों में छिप जाता हूँ।	बच्चों से पूर्व में की गई कोई भी गीत/कविता हाव–भाव से गाने के लिए कहें।	**यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** बंदर मामा पहने सूट। पैर में उनके बढ़िया बूट। जब से आला गले में डाला, बैग दवाई का ले डाला। साइन बोर्ड अपना लगवाया, डॉक्टर बंदर सिंह लिखवाया।	बच्चों से पूर्व में की गई कोई भी गीत/कविता हाव–भाव से गाने के लिए कहें।	बच्चों के साथ गतिविधि कराएँ। एक गोला बनाएँ और सभी बच्चों को गोले के बाहर खड़ा होने को कहें। जल बोलने पर बच्चे गोले के अन्दर कूदें एवं थल बोलने पर गोले के बाहर कूदें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	05 मिनट	**शेर का हौदा** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें द्य बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**शेर का हौदा** कहानी पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**ऊन** से बने कपड़ो पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**छोटी परी** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**छोटी परी** कहानी पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**शेर का हौदा** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है? कहानी में क्या–क्या हुआ? आदि।	**शेर का हौदा** कहानी बोर्ड पर लिखें। प्रत्येक शब्द पर अँगुली रखते हुए पढ़ें और कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने को कहें।	**शेर का हौदा** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। जरूरत के अनुसार बच्चों की मदद करें।	**छोटी परी** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक,शब्द भण्डार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है? आदि।	**छोटी परी** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	
शब्द निर्माण	20 मिनट	**शब्द बनाओ**: फर्श पर एक बड़ा सा गोला बनाएँ। इस गोले के अन्दर छोटे–छोटे दो गोले और बनाएँ। इन गोलों में अलग–अलग अवाज़ें लिखिए, जैसे – ची, नू, को, पा, आदि। अब बच्चे को बारी–बारी से कंकड़ डालने के लिए कहें। जिस गोले में कंकड़ गिरे उसमें जो आवाज़ें लिखी हैं, बच्चों को उन आवाज़ों से 6 शब्द बनाने के लिए कहें। जैसे– कंकड़ गिरा ची के गोले में तो बच्चा शब्द बताएगा– चील, चीता, चीनी आदि।	दो अक्षर की बारहखड़ी की लाइनों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कुछ बच्चों को बारहखड़ी की लाइन पढ़कर सुनाने को कहें। दो अक्षर की इकाइयों से अधिक से अधिक शब्द कॉपी या ज़मीन पर लिखने को कहें। बच्चे कोशिश करें कि शब्द सार्थक हों।	कहानी से कुछ शब्द बोलें और उन्हें बोर्ड पर लिखकर दिखाएँ। जैसे–हौदा। बच्चों से पूछें ह और द में कौन–कौन सी मात्रा लगी हैं? इस प्रकार अलग–अलग शब्दों के साथ यह खेल खेलें।	कहानी से कुछ शब्द बोलें और उन्हें बोर्ड पर लिखकर दिखाएँ। जैसे–छोटी। बच्चों से पूछें छ और ट में कौन–कौन सी मात्रा लगी हैं? इस प्रकार अलग–अलग शब्दों के साथ यह खेल खेलें।	पिछले दिन पढ़ी गई बारहखड़ी की दो लाइनों को पढ़कर सुनाएँ। कुछ बच्चों को बुलाकर बारहखड़ी इकाई पढ़ने को बोलें। साथ ही बच्चे को इकाई ढूँढने को कहें। इन इकाइयों से शब्द बनाने के लिए कहें।	
लेखन	10 मिनट	**हौदा** शब्द पर चर्चा करें और बच्चे को कुछ वाक्य लिखने को कहें। बच्चे एक–दूसरे से कॉपी बदलकर समीक्षा करें। ग़लत शब्दों को बारहखड़ी व आवाज़ों की मदद से सही करने को कहें।	बच्चों से चर्चा करें कि आज आपने स्कूल आते समय क्या–क्या देखा है? बच्चों ने जो भी देखा है उसको कॉपी/फ़र्श पर लिखने और पढ़ने को कहें।	बच्चों से उनकी पसंद की कहानी के बारे में चर्चा करें। चर्चा के बाद बच्चों को कहानी से सम्बंधित चित्र बनाने और कहानी के बारे में ज़मीन/कॉपी पर लिखने को कहें।	**जंगल** शब्द सुनकर बच्चों के मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं? उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। लेखन की समीक्षा करें और ग़लत शब्दों को बारहखड़ी की मदद से सही करने को कहें।	**छत** शब्द पर बच्चों के साथ चर्चा करें एवं मनपसंद चित्र बनाने और उसके बारे में लिखने को कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ पंद्रहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : बच्चे ध्वनि–चिह्नों को पहचान सकें और आसान शब्द पढ़ व बना सकें।

सप्ताह–15

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	बच्चों के साथ **कछुआ जल का राजा है** कविता हाव–भाव से गाएँ।	बच्चों से पूर्व में की गई कोई भी गीत/कविता हाव–भाव से गाने के लिए कहें।	**नानी तेरी मोरनी को मोर ले गए** यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।	बच्चों से पूर्व में की गई कोई भी गीत/कविता हाव–भाव से गाने के लिए कहें।	बच्चों के साथ **मेंढक मामा** कविता हाव–भाव से गाएँ।	
बातचीत	05 मिनट	**वह हँस दिया** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**वह हँस दिया** कहानी पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से **सर्दी** विषय पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**खेल –खेल में** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**खेल –खेल में** कहानी और उसके पात्रों पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**वह हँस दिया** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक,शब्द भंडार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है? आदि।	**वह हँस दिया** कहानी बोर्ड पर लिखें। हर एक शब्द पर अँगुली रखते हुए कहानी पढ़ें। कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने को कहें।	**वह हँस दिया** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। ज़रूरत के अनुसार बच्चों की मदद करें।	**खेल –खेल में** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक,शब्द भंडार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है ? आदि।	**खेल –खेल में** कहानी बोर्ड पर लिखें। हर एक शब्द पर अँगुली रखते हुए कहानी पढ़ें। कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने को कहें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
शब्द निर्माण	20 मिनट	**सुनकर लिखें** बच्चों को कोई शब्द बोलें। बच्चे उन शब्दों को सुनकर कॉपी या ज़मीन पर लिखें। लिखने के बाद बच्चों की कॉपी/जगह आपस में बदल दें। बोलें गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चे एक दूसरे के शब्दों को बोर्ड से देखकर जाँचें।	**बारहखड़ी से शब्द** दो अक्षर की बारहखड़ी की लाइनों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें। 3–4 बच्चों को बारहखड़ी की लाइन पढ़कर सुनाने को कहें। दो अक्षर की इकाइयों से अधिक से अधिक शब्द कॉपी या ज़मीन पर लिखने को कहें। बच्चे कोशिश करें की शब्द सार्थक हों।	**शब्दों की अंताक्षरी** बच्चों के दो समूह बनाएँ। कोई भी एक शब्द बोलें, जैसे :चीनी। अब एक समूह से चीनी शब्द की आख़िरी आवाज़ यानि नी से कोई शब्द बताने के लिए कहें ,जैसे : नी से नीला या नीर आदि । अब पहला समूह फिर से ला या र से कोई नया शब्द बताए, जैसे : ल से लालटेन या र से रेल। इस प्रकार खेल को खेलें।	**इकाइयों से शब्द निर्माण** ब्लैकबोर्ड पर तो, मी, ता, ठा, म, खा और आ इकाइयों को लिखें। बच्चों से कहें कि वे इन इकाईयों से शब्द बनाएँ और अपनी कॉपी में लिखें व पढ़ें भी।	**इकाइयों से शब्द निर्माण** ब्लैकबोर्ड पर में, प, ला री, ग, तं, ल, पी, और ली इकाइयों को लिखें। बच्चों से कहें कि वे इन इकाईयों से शब्द बनाएँ और अपनी कॉपी में लिखें व पढ़ें भी ।	
लेखन	10 मिनट	**दोस्त** शब्द सुनकर बच्चों के मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई चार–पॉच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। लेखन की समीक्षा करें और ग़लत शब्दों को बारहखड़ी की मदद से सही करने को कहें।	**घटना** विषय पर बच्चों के साथ चर्चा करें और जो शब्द बच्चे बोलें उसे लिखने एवं पढ़ने के लिए कहें।	**अनाज** शब्द सुनकर बच्चों के मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। लेखन की समीक्षा करें और ग़लत शब्दों को बारहखड़ी की मदद से सही करने को कहें।	**खेल –खेल में** कहानी पर बच्चों से चर्चा करें व कहानी को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहें ।	बच्चों से **बाज़ार** में क्या क्या मिलता है? उसकी सूची बनाने एवं पढ़ने के लिए कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ सोलहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : बच्चे ध्वनि–चिह्नों को पहचान सकें और आसान शब्द पढ़ व बना सकें।

सप्ताह–16

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**कलकत्ते से आई रेल,** **आओ भाई खलें खेल,** यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।	बच्चों से पूर्व में की गई कोई भी गीत/कविता हाव–भाव से गाने के लिए कहें।	बच्चों के साथ **हेलो मिस्टर माउस** कविता हाव–भाव से गाएँ।	बच्चों से पूर्व में की गई कोई भी गीत/कविता हाव–भाव से गाने के लिए कहें।	**बिल्ली मौसी, बिल्ली मौसी** **कहो कहाँ से आई हो,** बच्चों के साथ यह कविता हाव–भाव से गाएँ।	
बातचीत	05 मिनट	**बंदर और हाथी** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**बंदर और हाथी** कहानी पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**बंदर और हाथी** कहानी आपको कैसी लगी? इस कहानी को और रोचक कैसे बना सकते हैं? बच्चों से चर्चा करें	**टप टप टपक** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**टप टप** की आवाज़ कैसे और कहाँ से आती है? बच्चों से चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**बंदर और हाथी** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक,शब्द भण्डार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है? कहानी में क्या हुआ? आदि।	**बंदर और हाथी** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। बोर्ड पर कहानी लिखकर एक–एक शब्द पर अँगुली रखते हुए पुनः पढ़ें। फिर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	**बंदर और हाथी** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। जरुरत के अनुसार बच्चों की मदद करें।	**टप टप टपक** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भंडार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है ? आदि।	**टप टप टपक** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। बोर्ड पर कहानी लिखकर अँगुली चलाते हुए पुनः पढ़ें और कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
शब्द निर्माण	20 मिनट	**मिलते–जुलते शब्द** कोई एक शब्द ब्लैकबोर्ड पर लिखें, जैसेः पानी और उससे मिलते–जुलते शब्द कॉपी या जमीन पर बच्चों से लिखने को कहें। जैसे – पानी, नानी आदि। कोशिश करें कि बच्चे सार्थक शब्द ही लिखें।	कहानी से कुछ शब्द बोलें और उन्हें बोर्ड पर लिखकर दिखाएँ। जैसे–हाथी। बच्चों से पूछें ह और थ में कौन –कौन सी मात्रा लगी हैं? इस प्रकार अलग–अलग शब्दों के साथ यह खेल खेलें। कोशिश करें की शब्द सार्थक हों।	**बारहखड़ी से शब्द** दो अक्षर की बारहखड़ी की लाइनों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें। 3–4 बच्चों को बारहखड़ी की लाइन पढ़कर सुनाने को कहेंद्य दो अक्षर की इकाइयों से अधिक से अधिक शब्द कॉपी या ज़मीन पर लिखने को कहें। बच्चे कोशिश करें कि शब्द सार्थक हों।	**इकाइयों से शब्द निर्माण** ब्लैकबोर्ड पर मा, मी, ता, ठा, म, न, ग इकाईयों को लिखें। बच्चों से कहें कि वे इन इकाईयों से शब्द बनाएँ और अपनी कॉपी में लिखें व पढ़ें भी ।	कोई भी एक शब्द बोलें। जैसे **चींटी** बच्चों से पहली और आखिरी आवाज़ें पूछें। अब बच्चों से पूछें कि टी की जगह नी लगा दें तो क्या बनेगा? बच्चे बोलेंगे चीनी। इस प्रकार अलग–अलग शब्दों के साथ यह खेल खेलें और नए बने शब्दों को लिखने और पढ़कर बताने के लिए कहें।	
लेखन	10 मिनट	**बंदर और हाथी** की बहुत सारी कहानियाँ हैं। बच्चों से उन पर चर्चा करें और कहानी को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहें।	**शरारत** शब्द सुनकर बच्चों के मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें।	**शरबत/शिकंजी** बनाने प्रक्रिया एवं सामान पर चर्चा करें। और जो शब्द बच्चे बोलें उसे लिखने एवं पढ़ने के लिए कहें। बच्चों से वाक्य बनाने के लिए भी कहें।	**ठण्ड** शब्द सुनकर बच्चों के मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। लेखन की समीक्षा करें और ग़लत शब्दों को बारहखड़ी की मदद से सही करने को कहें।	बच्चों **मज़ाक** में क्या–क्या होता है? उसकी सूची बनाने एवं पढ़ने के लिए कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ सत्रहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अनुच्छेद और छोटी कहानी (5–6 लाइन) को समझ के साथ पढ़ सकें।

सप्ताह–17

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**गाओ और घुमाओ** खेल के लिए चाहिए रुमाल, दुपट्टा, चॉक आदि। सभी बच्चे गोल घेरे में बैठें। आप उनकी तरफ़ पीठ करके ताली बजाना शुरू करें। ताली के साथ ही बच्चे भी रुमाल को एक हाथ से दूसरे बच्चे के हाथ में देते जाएँ। जैसे ही ताली बजना रुके, जिस बच्चे के हाथ में रुमाल हो, उसे कोई गीत, कविता या चुटकुला सुनाना होगा।	बच्चों से पूर्व में की गई कोई कविता को हाव–भाव से गाने के लिए कहें।	**सोचिए और बोलिए** हर बच्चे को अलग–अलग परिचित विषय दें। बच्चे अपना विषय भी सोच सकते हैं। बच्चों को 2–3 मिनट उस विषय पर सोचने को कहें, फिर 1 मिनट उस विषय पर बोलने के लिए प्रेरित करें।	बच्चों से पूर्व में की गई कोई भी कविता को हाव–भाव से सुनाने के लिए कहें।	**यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** दूर गगन में चार चिरैया फुर–फुर–फुर उड़ जाती हैं और गगन में उड़ते–उड़ते गुन–गुन गाना गाती हैं। हवा सुहानी लगती उनको बादल प्यारे–प्यारे, और बारिश की बूँदों से, वे अपने पंख सँवारे।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	05 मिनट	**मोटा राजा दुबला कुत्ता** कहानी के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**दौड़** विषय पर बच्चों से बातचीत करें।	बच्चों से **बरसात** विषय पर चर्चा करें एवं उन्हें ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**ख़ुशबू** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**ख़ुशबू** कहानी के पात्रों पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**मोटा राजा दुबला कुत्ता** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें, जैसे– कहानी में कौन–कौन है? कहानी में क्या हुआ? राजा कैसे दुबला हो गया? आदि।	**मोटा राजा दुबला कुत्ता** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	**मोटा राजा दुबला कुत्ता** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। ज़रूरत के अनुसार बच्चों की मदद करें।	**ख़ुशबू** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें, जैसे– कहानी में कौन–कौन हैं? क्या हुआ? आदि।	**ख़ुशबू** कहानी बच्चों को हाव–भाव के साथ सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	
शब्द भंडार के खेल	20 मिनट	बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ और उनकी पाठ्य–पुस्तक से छोटी कहानी/अनुच्छेद आदि पढ़ने को दें। उस अनुच्छेद में आए अपरिचित शब्दों पर चर्चा करें और उनके अर्थ पता करें।	बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ और उनकी पाठ्य–पुस्तक से छोटी कहानी/अनुच्छेद कार्ड आदि पढ़ने को दें। उस अनुच्छेद में आए अपरिचित शब्दों पर चर्चा करें और उनके अर्थ पता करें।	सभी बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ और हर समूह में 2 मिनट तक कोयल शब्द पर सोचकर उससे जुड़े शब्द कॉपी या ज़मीन पर लिखने को कहें। अब हर समूह से 2–3 बच्चों को कोयल विषय पर एक मिनट बोलने के लिए कहें।	सभी बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ और हर समूह में 2 मिनट तक स्कूल शब्द पर सोचकर उससे जुड़े शब्द कॉपी या ज़मीन पर लिखने को कहें। अब हर समूह से 2–3 बच्चों को कोयल विषय पर एक मिनट बोलने के लिए कहें।	**भूख** शब्द पर बच्चों से माइंड मैपिंग करने को कहें और माइंड मैप में आए शब्दों को वर्गीकरण करने को कहें।	
लेखन	10 मिनट	**राजा शब्द सुनकर बच्चों के मन में** कौन–कौन से शब्द आते हैं। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य बनाने, लिखने और पढ़ने को कहें। लेखन की समीक्षा करें और ग़लत शब्दों को बारहखड़ी की मदद से सही करने को कहें।	बोर्ड पर कोई एक शब्द लिखें, जैसे– कसरत बच्चों से पूछें कि इस शब्द को सुनकर उनके मन में और कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं? वे शब्द कॉपी या ज़मीन पर लिखें और किन्हीं सात शब्दों से वाक्य बनाने को कहें। लेखन की समीक्षा ज़रूर करें।	दुबला **कुत्ता** विषय पर बच्चों से चर्चा करें और उन्हें 2–3 वाक्य लिखने के लिए कहें। बच्चे एक–दूसरे की कॉपी बदलकर समीक्षा करें।	**इमारत** शब्द बोर्ड पर लिखें। पहले इमारत शब्द से जुड़े शब्दों से किन्हीं सात शब्दों से वाक्य/एक छोटी कहानी अपनी कॉपी पर लिखने को कहें। उस की समीक्षा ज़रूर करें।	कक्षा में कौन–कौन सी चीज़ें होती हैं उनकी एक सूची तैयार करने को कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ अठारहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अनुच्छेद और छोटी कहानी (5–6 लाइन) को समझ के साथ पढ़ सकें।

सप्ताह–18

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	**मैंने देखा** बच्चों को कुछ देर चुपचाप रहकर चारों तरफ़ की चीज़ें देखने के लिए कहें। अब कहें, आज मैंने देखा पंखा। अब हर बच्चे को बारी–बारी बताना होगा कि मैंने देखा...। हर एक की बताई हुई चीज़ें अलग होनी चाहिए।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	एक गोला बनाएँ। सभी बच्चों को गोले के बाहर खड़ा करें। जब जल बोलें तो बच्चे गोले के अंदर कूदें, जब थल बोलें तो गोले के बाहर। ग़लत जगह कूदने पर बच्चे खेल से बाहर होते जाएँगे। इसी तरह अंत तक जो इस खेल में बना रहेगा वह बच्चा विजेता होगा।	**नन्हीं–नन्हीं बूँदें मेरी छत पर कूदें।** यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	05 मिनट	**मेरा दोस्त** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**मेरा दोस्त** कहानी पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से **बचपन** विषय पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बालने का मौक़ा दें।	**नटखट कुत्ता** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**नटखट कुत्ता** बच्चों से चर्चा करें कि क्या उन्होंने कभी कोई नटखट कुत्ता देखा है? बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**मेरा दोस्त** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें, जैसे– कहानी में कौन–कौन है? क्या हुआ? आदि। '	**मेरा दोस्त** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। बोर्ड पर कहानी लिखकर अँगुली वाचन करें। कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	**मेरा दोस्त** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। बच्चों के दो समूह बनाएँ और एक–दूसरे समूह से प्रश्न पूछने के लिए कहें।	**नटखट कुत्ता** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें, जैसे– कहानी में कौन–कौन है? कहानी में क्या हुआ? आदि।	**नटखट कुत्ता** कहानी बच्चों को हाव–भाव के साथ सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	
शब्द भंडार के खेल	20 मिनट	**दोस्त** शब्द पर माइंड मैपिंग करने को कहें। माइंड मैप में आए शब्दों को वर्गीकरण करने को कहें।	बच्चों से कहें कि **पिकनिक** पर जाने के लिए वह क्या–क्या तैयारी करेंगे? छोटे–छोटे समूह में उसकी एक सूची बनाएँ। सभी समूह को एक–दूसरे को अपनी–अपनी सूची पढ़कर सुनाने के लिए कहें।	**नटखट** शब्द सुनकर बच्चों के दिमाग़ में कौन–कौन से शब्द आते हैं उन्हें कॉपी/ज़मीन पर लिखने के लिए कहें। लिखे गए शब्दों को बच्चे बड़े समूह में पढ़कर सुनाएँ।	बच्चों को आँख बंद करके **मेला** के बारे में कल्पना करने को कहें। बच्चों ने जो भी कल्पना में देखा उन चीज़ों के नाम कॉपी/ज़मीन पर लिखकर/पढ़कर सुनाने और बताने के लिए कहें।	बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ। उनकी पाठ्य–पुस्तक से छोटी कहानी पढ़ने को दें। कहानी में आए नए व अपरिचित शब्दों को कॉपी में लिखने और उन शब्दों को बड़े समूह में चर्चा करने को कहें।	
लेखन	10 मिनट	**दोस्त** शब्द पर चर्चा करें। अपने किसी सबसे अच्छे दोस्त के बारे में कुछ वाक्य लिखने के लिए कहें। आवश्यकतानुसार आप बच्चों की मदद करें।	**पिकनिक** शब्द पर जो सूची बनाई है, उनमें से कोई पाँच शब्द चुनकर चार लाइन का एक अनुच्छेद लिखने को कहें। आप बच्चों को अनुच्छेद का उदाहरण ब्लैकबोर्ड पर लिखकर दिखाएँ।	**बचपन** शब्द पर बच्चों से 5–7 वाक्य या एक अनुच्छेद लिखने को कहें। बच्चे एक–दूसरे की कॉपी बदलकर समीक्षा करें।	**मेला** शब्द से सम्बंधित जो भी शब्द बच्चों ने लिखे हैं उनमें से कुछ शब्द लेकर एक छोटा अनुच्छेद लिखने को कहें।	**नटखट कुत्ता** कहानी में यदि कुत्ते का सामना दो बिल्लियों से हो तो कहानी क्या होती? बच्चे को अपने–अपने समूह में चर्चा करके लिखने को कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ उन्नीसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अनुच्छेद और छोटी कहानी (5–6 लाइन) को समझ के साथ पढ़ सकें।

सप्ताह–19

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	**हईया रे हईया** कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।	बच्चों को अलग–अलग परिस्थितियों में चलने के लिए कहें, जैसे बहुत तेज़ बारिश हो रही है, सड़क पर घुटनों तक पानी भर गया है, कीचड़ बहुत है आदि।	कोयल ने गाना गाया कौआ भी दौड़ा आया चूहे ने ढोल बजाई बंदर ने पूँछ हिलाई अब सुनो जरा मेरे भाई क्या बात समझ में आई कोयल ने गाना गाया कौआ भी दौड़ा आया। यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद गीत/कविता/गाना/कहानी सुनें।	
बातचीत	05 मिनट	**आलू–मालू–कालू** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**आलू–मालू–कालू** कहानी पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**गर्मी** विषय पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**अभी नहीं, अभी नहीं** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**अभी नहीं, अभी नहीं** कहानी और उसके पात्रों पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**आलू–मालू–कालू** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें, जैसे– कहानी में कौन–कौन है? आदि।	**आलू–मालू–कालू** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	**आलू–मालू–कालू** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। ज़रूरत के अनुसार बच्चों की मदद करें। बच्चों के दो समूह बनाएँ और एक–दूसरे समूह से प्रश्न पूछने के लिए कहें।	अभी नहीं, अभी नहीं कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें, जैसे– कहानी में कौन–कौन हैं? आदि।	अभी नहीं, अभी नहीं कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें ।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
शब्द भंडार के खेल	20 मिनट	बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ और उनकी पाठ्य–पुस्तक से छोटी कविता या कहानी आदि पढ़ने को दें। कविता/कहानी में आए नए व अपरिचित शब्दों को कॉपी में लिखने और उन शब्दों को बड़े समूह में चर्चा करने को कहें।	बच्चों को 5 मिनट तक आँख बंद करके उस दिन को याद करने के लिए कहें जिस दिन उन्होंने खूब मस्ती की हो। फिर उन्हें उस दिन के बारे में एक–दूसरे को बताने को कहें।	सभी बच्चों को 2 मिनट तक हमारा गाँव शब्द पर सोचकर उससे जुड़े शब्द कॉपी/जमीन पर लिखने को कहें। बच्चों ने जो भी शब्द लिखें उनसे ज़रूर पूछें कि यह शब्द उन्होंने क्यों लिखा आदि।	बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ और उनकी पाठ्य–पुस्तक से छोटी कविता या कहानी पढ़ने को दें। कविता/कहानी में आए नए व अपरिचित शब्दों को कॉपी में लिखने और उन शब्दों को बड़े समूह में चर्चा करने को कहें।	बच्चों से कहें कि उनके घर में बड़ी दीदी की शादी है। क्या–क्या तैयारी करेंगे? छोटे–छोटे समूह में उसकी एक सूची बनाएँ। एक–दूसरे समूह को अपनी सूची पढ़कर सुनाने के लिए कहें।	
लेखन	10 मिनट	**सब्ज़ी** शब्द पर चर्चा करें एवं सब्ज़ी शब्द से जुड़े शब्द और वाक्य अपनी कॉपी या ज़मीन पर लिखने को कहें। एक–दूसरे की कॉपी बदलकर बच्चे समीक्षा करें।	**नदी** विषय पर बच्चों से चर्चा करें और उसके बारे में लिखने को कहें।	हमारा गाँव से जुड़े शब्दों से बच्चों को वाक्य/अनुच्छेद लिखने को कहें। बच्चों ने जो भी लिखा उसे बड़े समूह में पढ़कर सुनाएँ। जब बच्चे लिख लें तब उनसे फिर से पढ़ने और समीक्षा करने को कहें।	कार्य शब्द को सुनकर बच्चों के दिमाग में कौन–कौन से शब्द आते हैं उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। बच्चे मनपसंद शब्द चुनकर पाँच वाक्य लिखें।	**शादी** शब्द पर जो सूची बनाई है उनमें से कोई पाँच शब्द चुनकर चार लाइन का एक अनुच्छेद लिखने को कहें। जब बच्चे लिख लें तब उनसे फिर से पढ़ने और समीक्षा करने के लिए कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ बीसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अनुच्छेद और छोटी कहानी (5–6 लाइन) को समझ के साथ पढ़ सकें।

सप्ताह–20

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	जादू की पुड़िया है–2 पुड़िया के अंदर हैं, शब्द हज़ार पुड़िया के अंदर, जो शब्द छुपे हैं उनको बना लो, तुम मीत एक बार पुड़िया को खोलो, और शब्दों को देखो पढ़ने की कोशिश, सब करो बार–बार। यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	**कैप्टन बोला क्या बोला?** यह खेल बच्चों के साथ बड़े समूह में खेलें।	दूर गगन में चार चिरैया फुर्र–फुर्र–फुर्र उड़ जाती हैं। और गगन में उड़ते–उड़ते गुन–गुन गाना गाती हैं। हवा सुहानी लगती उनको, बादल प्यारे–प्यारे, और बारिश की बूँदों से वे अपने पंख सँवारे। यह कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद गीत/कविता/गाना/कहानी सुनें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	05 मिनट	**चाँद का तोहफ़ा** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**चाँद का तोहफ़ा** कहानी पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**जन्मदिन** विषय पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**सूरज और शेर सिंह** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**सूरज और शेर सिंह** कहानी और उसके पात्रों पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**चाँद का तोहफ़ा** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें।	**चाँद का तोहफ़ा** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	**चाँद का तोहफ़ा** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। बच्चों के दो समूह बनाएँ और एक–दूसरे समूह से प्रश्न बनाने एवं उसका उत्तर पूछने के लिए कहें।	**सूरज और शेर सिंह** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें।	**सूरज और शेर सिंह** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	
शब्द भंडार के खेल	20 मिनट	सभी बच्चों को 2 मिनट तक तोहफ़ा शब्द पर सोचकर उससे जुड़े शब्द कॉपी/ज़मीन पर लिखने को कहें। बच्चे जो भी शब्द लिखें उनसे ज़रूर पूछें कि ये शब्द उन्होंने क्यों लिखा है?	बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ और उनकी पाठ्य–पुस्तक से छोटी कविता या कहानी आदि पढ़ने को दें। कविता/कहानी में आए नए व अपरिचित शब्दों को कॉपी में लिखने और उन शब्दों को बड़े समूह में चर्चा करने को कहें।	बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ और घर के सामान की सूची बनाने के लिए कहें। लिखने के बाद उन शब्दों को बड़े समूह में पढ़कर सुनाने के लिए कहें। जिस समूह के सबसे अधिक सही शब्द होंगे वह समूह विजेता होगा।	बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ और उनकी पाठ्य–पुस्तक से छोटी कविता या कहानी आदि पढ़ने को दें। कविता/कहानी में आए नए व अपरिचित शब्दों को कॉपी में लिखने और उन शब्दों को बड़े समूह में चर्चा करने के लिए कहें।	बच्चों को पाँच मिनट आँख बंद करके अपने स्कूल का पहला दिन के बारे में सोचने के लिए कहें। फिर बच्चे उस दिन से सम्बंधित शब्द अपनी कॉपी में लिखें और बारी–बारी उस कल्पना के बारे में बताएँ।	
लेखन	10 मिनट	**तोहफ़ा** शब्द से जुड़े शब्दों से बच्चों को वाक्य/अनुच्छेद लिखने को कहें। बच्चे जो भी लिखें उन्हें बड़े समूह में पढ़कर सुनाने के लिए कहें।	**समारोह** पर बच्चों से चर्चा करें और उसके बारे में लिखने को कहें। किसी एक बच्चे द्वारा लिखे वाक्य पर पूरी कक्षा के साथ चर्चा करते हुए समीक्षा अवश्य करें।	**घर** शब्द पर किए गए चर्चा में आए शब्दों से एक अनुच्छेद लिखने को कहें। जब बच्चे लिख लें तब उनसे फिर से पढ़ने और समीक्षा करने को कहें।	**प्रतियोगिता** शब्द पर बच्चों से चर्चा करें और कुछ वाक्य लिखने को कहें। जब बच्चे लिख लें तब उनसे फिर से पढ़ने और समीक्षा करने को कहें।	**सूरज और शेर सिंह** कहानी पर बच्चों से संवाद लिखने को कहें। आप बच्चों की आवश्यकतानुसार मदद करें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ इक्कीसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अपने विचारों को लिखित रूप में व्यक्त कर सकें।
कोई भी चित्र बनाकर उसका नाम व उसके बारे में कुछ वाक्य लिख सकें।

सप्ताह–21

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	5 मिनट	**पानी** कविता शिक्षक बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई किसी कविता को हाव–भाव के साथ गाने के लिए कहें। रोजाना 1–2 बच्चों को मौक़ा दें।	**झरना** कविता शिक्षक बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें। रोजाना 1–2 बच्चे को मौका दें ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें। रोजाना 1–2 बच्चे को मौका दें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	5 मिनट	**कौन गिराता है बाल्टी ?** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**कौन गिराता है बाल्टी ?** कहानी पर चर्चा करें एवं बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**कौन गिराता है बाल्टी ?** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। ज़रूरत के अनुसार बच्चों की मदद करें।	**नकलची मूमू** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**नकलची मूमू** कहानी के अलग अलग पात्रों पर बच्चों से बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**कौन गिराता है बाल्टी ?** बच्चों को कहानी हाव–भाव से पढ़कर सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार, राय देने से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है ? आदि।	**कौन गिराता है बाल्टी ?** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें । अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें ।	**कौन गिराता है बाल्टी ?** बच्चों से पूछें उन्हें कहानी का कौन–सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? इसके बारे में बच्चों को बताने के लिए कहें।	**नकलची मूमू** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार, राय देने से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें । जैसे– कहानी में कौन–कौन है ? आदि।	**नकलची मूमू** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	
शब्द भंडार के खेल	10 मिनट	बच्चों के साथ **कुँआ** शब्द पर चर्चा करें। चर्चा के दौरान जो शब्द आए उन्हें बोर्ड पर लिखें। कुछ शब्द से वाक्य बनाने को कहें।	**होली** शब्द सुनकर बच्चों के मन में जो शब्द आ रहे हैं, उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखने को कहें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें।	सभी बच्चों को 2 मिनट तक **गन्ना** शब्द पर सोचने को कहें, फिर गन्ना शब्द पर चर्चा करें। ध्यान रखें की सभी बच्चों का प्रतिभाग हो। चर्चा में आए शब्दों को बच्चे अपनी कॉपी में लिखें ।	**नकलची** शब्द सुनकर बच्चों के मन में जो शब्द आ रहे हैं उन्हें कॉपी पर लिखने के लिए कहें।	सभी बच्चों को 2 मिनट तक माँ शब्द पर सोचने को कहें, फिर माँ शब्द पर चर्चा करें। ध्यान रखें की सभी बच्चों का प्रतिभाग हो। चर्चा में आए शब्दों को बच्चे अपनी कॉपी में लिखें और वाक्य बनाएँ।	
लेखन	20 मिनट	जंगल, जानवर, शेर, खरगोश, चालाक, कुआँ, परछाई इन शब्दों से बच्चों को एक अनुच्छेद लिखने के लिए कहें। बच्चे पहले सोचें फिर लिखें। लिखने के बाद बच्चे कक्षा में सभी को पढ़कर सुनाएँ।	**कौआ** के बारे में बच्चों से बातचीत करें और बच्चों से उसके बारे में कुछ वाक्य लिखने के लिए कहें ।	**सूरज** के पास एक गेंद है । वह गेंद शेर के जैसी दिखती है। बच्चों से कहें कि वे इस कहानी को आगे बढ़ाएँ और अपनी अपनी कॉपी में भी लिखें।	क्या आपने किसी की **नक़ल** की है या किसी ने आपकी नक़ल की है? अपने उस अनुभव को अपने शब्दों में लिखिए।	**नकलची मूमू** कहानी से सम्बंधित सोचने और राय देने वाले प्रश्न बोर्ड पर लिखें। बच्चों को प्रश्नों के उत्तर कॉपी पर लिखने और कक्षा में सुनाने के लिए बोलें। बच्चों के छोटे–छोटे समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयारी करने को कहें ।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ बाइसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अपने विचारों को लिखित रूप में व्यक्त कर सकें।
कोई भी चित्र बनाकर उसका नाम व उसके बारे में कुछ वाक्य लिख सकें।

सप्ताह–22

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	5 मिनट	**बंदर कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** बंदर आया, बंदर आया। पूँछ हिलाता, बंदर आया। उछलता, कूदता बंदर आया। झूम–झूम कर बंदर आया। सबको हँसाने बंदर आया।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	**बढ़े चलो** कविता शिक्षक बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ ।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	5 मिनट	**बंटी और बबली** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**नींद** विषय पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**सुबह** विषय पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**मुझे वह वाला चाहिए!** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**कुर्सी** विषय पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**बंटी और बबली** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार, राय देने से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है ? आदि।	**बंटी और बबली** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें ।	**बंटी और बबली** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। जरूरत के अनुसार बच्चों की मदद करें।	**मुझे वह वाला चाहिए!** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार, राय देने से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें । जैसे– कहानी में कौन–कौन है ? क्या हुआ, क्यों हुआ? अगर ऐसा न होता तो क्या होता आदि।	**मुझे वह वाला चाहिए!** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें ।	
शब्द भंडार के खेल	10 मिनट	इस कहानी में आपको कौन–कौन से शब्द अच्छे लगे उनकी सूची बनाएँ और हर एक शब्द से एक वाक्य बनाकर लिखें।	**प्रदूषण** शब्द सुनकर बच्चों के मन में जो शब्द आ रहे हैं उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखने को कहें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने के लिए कहें।	सभी बच्चों को 2 मिनट तक सफाई शब्द पर सोचने को कहें। सभी बच्चे समूह में सफाई शब्द पर बातचीत करें। बातचीत में जो शब्द आए उन्हें बच्चे अपनी कॉपी में लिखें ।	कहानी के अच्छे लगे शब्दों की सूची बनाएँ और उनसे वाक्य बनाकर लिखें।	सभी बच्चों को 2 मिनट तक छुट्टी का दिन विषय पर सोचने को कहें, फिर छुट्टी का दिन विषय पर चर्चा करें। ध्यान रखें की सभी बच्चों का प्रतिभाग हो। चर्चा में आए शब्दों को बच्चे अपनी कॉपी में लिखें और वाक्य बनाएँ।	
लेखन	20 मिनट	चूहा, शेर, नींद, गुस्सा, माफ़ी, शिकारी ,जाल ,कुतरना इन शब्दों से बच्चों से कहानी बनाने के लिए कहें। बच्चे पहले कहानी सोचें फिर लिखें। लिखने के बाद कक्षा में कहानी को पढ़कर भी सुनाएँ।	**कीटाणुओं** के बारें में बातचीत करें। किन कीटाणुओं से नुक़सान और फ़ायदा है लिखकर बताएँ।	एक लोमड़ी को भूख लगी । उसे पेड़ पर एक कौआ दिखा.....बच्चों से पूछें कि इस कहानी में आगे क्या हुआ होगा? बच्चे कहानी को आगे बढ़ाएँ फिर उसे अपनी कॉपी में लिखें भी ।	**बाज़ार** शब्द सुनकर बच्चों के मन में जो शब्द आ रहे हैं उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखने को कहें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से जमीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। बच्चों ने जो लिखा है उसे स्वयं पढ़ें और अपनी त्रुटियों को ठीक करें।	**मुझे वह वाला चाहिए!** कहानी के पात्रों के संवाद सोचें और लिखने के लिए कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयारी करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ तेइसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अपने विचारों को लिखित रूप में व्यक्त कर सकें।
कोई भी चित्र बनाकर उसका नाम व उसके बारे में कुछ वाक्य लिख सकें।

सप्ताह–23

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	5 मिनट	**चूहा कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** चूहा आया, चूहा आया। हम सब को खूब हँसाया। कभी इधर, तो कभी उधर। कुतर–कुतर कर ऊधम मचाया।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें।	**रेल गाड़ी कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** छुक,छुक,छुक,छुक आती रेल। खूब सवारी ले जाती रेल काला इंजन, लाल है डिब्बा। सबको खूब घुमाती रेल। छुक,छुक,छुक,छुक जाती रेल।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें। रोजाना 1–2 बच्चे को मौक़ा दें।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें। रोजाना 1–2 बच्चे को मौक़ा दें।	
बातचीत	5 मिनट	**मेरी, नहीं, मेरी मछली !** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**मछलियों** के बारे में बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**तालाब** विषय पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**आज बहुत ठण्ड है** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**कोहरा** विषय पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**मेरी, नहीं, मेरी मछली!** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार, राय देने से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है? क्या हुआ , क्यों हुआ? अगर ऐसा न होता तो क्या होता आदि।	**मेरी, नहीं, मेरी मछली!** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	**मेरी, नहीं, मेरी मछली!** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें । जरुरत के अनुसार बच्चों की मदद करें।	**आज बहुत ठण्ड है** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार, राय देने से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है ? आदि।	**आज बहुत ठण्ड है** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें ।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
शब्द भंडार के खेल	10 मिनट	**मछली** शब्द सुनकर बच्चों के मन में आ रहे शब्दों को सूची बनवाएँ और उसे कॉपी पर लिखने के लिए कहें।	**हवा** शब्द सुनकर बच्चों के मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखने को कहें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने के लिए कहें।	सभी बच्चों को 2 मिनट तक खेल शब्द पर सोचने को कहें, फिर खेल शब्द पर बच्चे समूह में चर्चा करें। ध्यान रखें की सभी बच्चों का प्रतिभाग हो। चर्चा में आए शब्दों को बच्चे अपनी कॉपी में लिखें ।	बच्चों के साथ आज पढ़ी गई कहानी आज बहुत ठण्ड है के पात्रों पर चर्चा करें एवं कौन–सा पात्र अच्छा लगा और क्यों ? उसको कॉपी में लिखने के लिए कहें।	सभी बच्चों को 2 मिनट तक सर्दी शब्द पर सोचने को कहें। सर्दी शब्द पर बच्चे आपस में चर्चा करें। ध्यान रखें की सभी बच्चों का प्रतिभाग हो।चर्चा में आए शब्दों को बच्चे अपनी कॉपी में लिखें ।	
लेखन	20 मिनट	आकाश में बादल इधर से उधर उड़ रहे थे। तभी एक बादल दूसरे से बोला, काले बादल कहाँ भागे जा रहे हो? थोड़ा धीरे उड़ो , मैं तुम्हारी तरह तेज़ी से नहीं उड़ सकता। काले बादल ने सफेद बादल को घूरकर देखा और बोला। बच्चों से पूछें कि आगे क्या हुआ होगा ? उन्हें कहानी आगे बढ़ाने के लिए कहें व बच्चों से कहानी को अपनी कॉपी में भी लिखने के लिए कहें ।	जंगल, कबूतर, झुंड, शिकारी जाल, दाने, चूहा, कुतरना, इन शब्दों से बच्चों से कहानी बनाने के लिए कहें। बच्चे पहले कहानी सोचें फिर लिखें। लिखने के बाद कक्षा में कहानी को सुनाएँ भी।	**दोस्त** सुनकर बच्चों के मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखने को कहें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से जमीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। बच्चे अपने लिखे हुए वाक्यों को पढ़ें और ग़लतियों को ठीक करें।	**मेरी, नहीं, मेरी मछली!** कहानी से सम्बंधित सोचने और राय देने वाले प्रश्न बोर्ड पर लिखें। बच्चों को प्रश्नों के उत्तर कॉपी पर लिखने और कक्षा में सुनाने के लिए बोलें ।	**रजाई** के बारे बातचीत करें और बच्चों से उसके बारे में कुछ वाक्य लिखने के लिए कहें। बच्चों का समूह बनाएं और अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयारी करने को कहें।	

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ चौबीसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : अधिकांश बच्चे अपने विचारों को लिखित रूप में व्यक्त कर सकें।
कोई भी चित्र बनाकर उसका नाम व उसके बारे में कुछ वाक्य लिख सकें।

सप्ताह–24

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	5 मिनट	**गरमी कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** गरमी आई, गरमी आई घर–घर में पंखा लाई सबको पास बुलाता पंखा मीठी नींद सुलाता पंखा ठंडी हवा खिलाता पंखा बहुत आराम है देता पंखा।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें। रोजाना 1–2 बच्चे को मौक़ा दें।	**मोर** कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ। नाच मोर का सबको भाता जब वह पंखो को फैलाता कूह कूह का शोर मचाता झूम झूम कर नाच दिखाता।	बच्चों से उनकी कोई मनपसंद कविता/गाना/कहानी सुनें। यदि बच्चे नहीं सुना पाते हैं तो पिछले दिनों सुनी गई कविता हाव–भाव के साथ गाने को कहें। रोजाना 1–2 बच्चे को मौक़ा दें।	**गोल–गोल कविता बच्चों के साथ हाव–भाव से गाएँ।** सारी दुनिया गोल–गोल ऊपर चंदा गोल–गोल नीचे धरती गोल–गोल मम्मी की रोटी गोल–गोल पापा का पैसा गोल–गोल हम भी गोल, तुम भी गोल सारी दुनिया गोल मटोल।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	5 मिनट	**तोते की दोस्ती** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**पेड़** विषय पर चर्चा करें – बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**आम** विषय पर चर्चा करें – बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**जंगल की आग** कहानी के चित्र और नाम पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**पक्षी** विषय पर चर्चा करें – बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**तोते की दोस्ती** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार, राय देने से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें। जैसे– कहानी में कौन–कौन है ? क्या हुआ, क्यों हुआ? अगर ऐसा न होता तो क्या होता आदि।	**तोते की दोस्ती** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें । अब कौन पढ़ेगा? बोर्ड पर कहानी लिखकर कुछ बच्चों को कहानी पढ़ने का मौक़ा दें।	**तोते की दोस्ती** कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें। जरूरत के अनुसार बच्चों की मदद करें।	**जंगल की आग** कहानी बच्चों को हाव–भाव से सुनाएँ और तथ्य, अनुमानिक, शब्द भण्डार, राय देने से सम्बंधित अलग–अलग प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करें । जैसे– कहानी में कौन–कौन है ? क्या हुआ, क्यों हुआ? अगर ऐसा न होता तो क्या होता आदि।	बच्चों के साथ कहानी **जंगल की आग** के पात्रों पर चर्चा करें। बच्चों को कौन– सा पात्र अच्छा नहीं लगा और क्यों ? उसको कॉपी में लिखने के लिए कहें।	
शब्द भंडार के खेल	10 मिनट	बच्चों के साथ आज पढ़ी गई कहानी तोते की दोस्ती के पात्रों पर चर्चा करें एवं कौन–सा पात्र अच्छा लगा और क्यों ? उसको कॉपी में लिखने के लिए कहें।	मिर्च शब्द सुनकर बच्चों के मन में आ रहे शब्दों को ब्लैकबोर्ड पर लिखने को कहें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से जमीन या कॉपी पर वाक्य लिखने के लिए कहें।	गाँव से जुड़ी कौन–कौन सी चीज़ें हैं उनकी एक सूची तैयार कीजिए।	**आग** शब्द सुनकर बच्चों के मन में जो शब्द आ रहे है बच्चे उन्हें कॉपी पर लिखें। और उनसे वाक्य बनाएँ।	सभी बच्चों को 2 मिनट तक **जंगल** शब्द पर सोचने को कहें, अब हर बच्चे को 1 मिनट का समय दें और जंगल विषय पर बोलने के लिए कहें।	
लेखन	20 मिनट	किसान, भालू, खेत, फसल, गन्ना, गाजर, बँटवारा। बच्चे इन शब्दों को लेकर समूह में चर्चा करें और कहानी बनाने के लिए कहें। बच्चे पहले कहानी सोचें फिर लिखें। लिखने के बाद कक्षा में कहानी को सुनाएँ भी ।	सड़के खाली थीं। दूर–दूर तक कोई नहीं दिख रहा था। राकेश कुछ सोचता हुआ जा रहा था कि अचानक एक साँप ..... कहानी आगे बढ़ाएँ और लिखने को कहें।	**बाढ़** शब्द सुनकर बच्चों के मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखने को कहें। कोई चार–पाँच शब्द चुनकर बच्चों से ज़मीन या कॉपी पर वाक्य लिखने को कहें। बच्चे वाक्यों को पढ़ें और अपनी त्रुटियों को ठीक करके फिर से लिखें।	बच्चों से आग के फ़ायदे और नुक़सान के बारे में बातचीत करें और आग के 5 फ़ायदों के बारे में लिखने के लिए कहें।	सुबह से बारिश हो रही है। मीरा का बारिश में नहाने का मन है लेकिन सभी लोग उसे मना कर रहे हैं, तभी मम्मी ने आवाज़ लगाई। बच्चों से पूछें कि कहानी में आगे क्या हुआ होगा ? उन्हे कहानी आगे बढ़ाने के लिए कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयारी करने को कहें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ पहले सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– कहानी, विषय, घटना, चित्र, पात्र एवं शीर्षक पर बातचीत कर सकें, घर की भाषा के साथ–साथ विद्यालय की भाषा में तर्क–वितर्क कर सकें।

सप्ताह–1

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बंदर डाल पर बैठा है। क्या बंदर तू भूखा है? मेरे पास आ, रोटी खा, पानी पी, बंदर कूद कूद कूद।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बंदर मामा पहन पजामा, पैर में उनके बढ़िया बूट। जब से आला गले में डाला, साइन बोर्ड अपना लगवाया। डॉक्टर बन्दर नाम लिखाया, बंदर मामा पहन पजामा।	कुछ बच्चों से पूर्व में किए गए गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और गाने के लिए कहें।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे गतिविधि को देखें और करें।	बच्चों के साथ हाव–भाव से गतिविधि करवाएँ। बच्चों के साथ **मेंढक कूद** की गतिविधि कराएँ शिक्षक पहले खुद करके दिखाएँ उसके बाद बच्चों को गतिविधि करने के लिए प्रेरित करें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	15 मिनट	बच्चों से स्वतंत्र रूप से बातचीत करें, बच्चों के नाम जानें व उनके बारे में पूछें कि उन्हें क्या–क्या खेलना और खाना पसंद है।	बच्चों को अपनी पसंदीदा चीज़ों के बारे में बताने के लिए कहें और उनसे यह भी पूछें कि उन्हें यह चीज़ें क्यों पसंद हैं?	बच्चों से पूछें कि आज स्कूल आते समय उन्होंने क्या–क्या देखा तथा सभी बच्चों को बारी–बारी से बताने के लिए कहें।	हमारे लिए क्या–क्या ज़रूरी है और क्यों बच्चों से बातचीत करें।	चित्र पर चर्चा करें बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	15 मिनट	**सूझबूझ** कहानी को हाव–भाव से पढ़ने को कहें और ज़रूरत पड़ने पर बच्चों की मदद करें।	बच्चों का समूह बनाएँ। बच्चों से समूह में कहानी सम्बंधित प्रश्न बनाने के लिए कहें और बच्चे एक–दूसरे समूह से प्रश्नों के उत्तर पूछें। अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयारी करने के लिए कहें।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले कैसा हुआ इसके बारे में फ़ीडबैक भी दें।	सभी ज़रूरी हैं कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा कहानी के बारे में अंदाज़ा लगाकर बोलने का मौक़ा दें। बच्चों को सभी ज़रूरी है कहानी को हाव–भाव से पढ़ने का अभ्यास करने के लिए कहें। प्रत्येक बच्चे को पढ़ने का मौक़ा दें।	बच्चे समूह में कहानी से सम्बंधित प्रश्न बनाएँ। बच्चों को एक–दूसरे समूह से प्रश्न पूछने को कहें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कहानी में आए हुए जाने पहचाने शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को छोटे समूह में शब्दों के अर्थों पर बातचीत करने को कहें। एक समूह, दूसरे समूह को शब्द का अर्थ बताए।	**सूझबूझ** शब्द से सम्बंधित जितने शब्द आपके मन में आएँ उनकी एक सूची बनाएँ।	बच्चों को उनके मन–पसंद विषय चुनने को कहें फिर उस विषय पर सोचकर एक मिनट तक बोलने के लिए कहें।	**बाज़ार** में मिलने वाली वस्तुओं की सूची बनाने के लिए कहें, साथ ही उन शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें।	बच्चों को कहानी से अपरिचित शब्दों को ढूँढकर निकालने के लिए कहें। फिर एक समूह, दूसरे समूह से उन शब्दों के अर्थ पूछें।	
लेखन	15 मिनट	हिंदी की किताब से कोई चित्र दिखाकर उस पर बातचीत करें और दो वाक्य लिखने के लिए कहें।	**सूझबूझ** कहानी में कौन–सा पात्र अच्छा लगा और क्यों ? उसके बारे में लिखें।	**खेल** विषय पर बातचीत करते हुए बच्चों से पूछें कि खेलते हुए किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, लिखें ?	**मेला** विषय पर चर्चा करते हुए बच्चों के द्वारा बोले गए वाक्यों को बोर्ड/कॉपी पर लिखने के लिए कहें। अब इन वाक्यों को फिर से देखिए और क्रम से सजाइए।	पाठ्य–पुस्तक का कोई चित्र चुनें और उस पर बातचीत करें। बच्चों द्वारा बोले गए शब्द/वाक्य को लिखने को कहें। अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयारी करने को कहें ।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ दूसरे सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– कहानी, विषय, घटना, चित्र, पात्र एवं शीर्षक पर बातचीत कर सकें, घर की भाषा के साथ–साथ विद्यालय की भाषा में तर्क–वितर्क कर सकें।

सप्ताह–2

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** मेरी बिल्ली काली पीली। एक लोटा पानी से हो गई गीली। अक्छीं, अक्छीं लगी छींकने। मैं तो बोला कुछ तो सीख। बिना रुमाल कभी न छींक।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** चक्की बोली पुक पुक पुक। गड्डर वाले रुक रुक रुक। गेहूँ का आटा ले जाओ। रोटी सेक मज़े से खाओ।	कुछ बच्चों को पूर्व में किए गए गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उनसे करवाएँ।	मेरी बिल्ली काली पीली बच्चों को गीत करवाने के लिए प्रेरित करें।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	
बातचीत	15 मिनट	बच्चों से फल विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से **खेल** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**स्कूल की किताब** का कोई चित्र चुनें और उस चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	कोई विषय चुनें जैसे – आकाश में क्या है? अब प्रत्येक बच्चा अलग–अलग बताएँ।	बच्चों के साथ **मेला** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	15 मिनट	**सपनों की उड़ान** कहानी के शीर्षक पर बातचीत करें, हाव–भाव से पढ़कर सुनाएँ। पढ़ने का अभ्यास समूह में करवाएँ। किन्हीं 3–4 बच्चों से पढ़ने को कहें।	बच्चों का समूह बनाएँ। बच्चों से कहानी सम्बंधित प्रश्न बनाने के लिए कहें और बच्चे एक–दूसरे समूह से प्रश्नों के उत्तर पूछें। उसके बाद अगले दिन कहानी पर रोल प्ले की तैयारी करने के लिए कहें।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले कैसा हुआ इसके बारे में फ़ीडबैक भी दें।	**नहीं करूँगा मज़ाक** कहानी के शीर्षक पर बातचीत करें। कहानी को हाव–भाव से पढ़ने के लिए कहें, पढ़ने का अभ्यास करने के लिए कुछ बच्चों को एक–एक करके पढ़ने का मौक़ा दें।	कहानी पर बच्चों द्वारा समूह में प्रश्न तैयार करवाएँ व एक–दूसरे समूह से प्रश्न पूछने को कहें। रोल प्ले की तैयारी करने के लिए कहें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	बच्चे कहानी के मन–पसंद शब्दों को पढ़कर उनसे वाक्य बनाएँ।	कहानी में आए **ई** की मात्रा वाले शब्दों की सूची बनाएँ व उन्हें पढ़कर सुनाएँ।	**बाग़** में क्या– क्या होता है उसकी सूची बनाने के लिए बच्चों को कहें।	पढ़ी गई कहानी से अपरिचित शब्दों को ढूँढने और बच्चों द्वारा छोटे समूह में चर्चा कर उसका अर्थ लिखने के लिए कहें।	बच्चों को कुछ परिचित शब्द दें और उन शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें।	
लेखन	15 मिनट	आपका क्या सपना है? उसे पूरा करने के लिए आप क्या–क्या करेंगे लिखें।	बच्चों को अपने मन से कुछ भी बनाने व उस विषय में वाक्य लिखने के लिए कहें।	बच्चों को अपने आस–पास पाए जाने वाले पेड़ों के नाम लिखें। किसी एक पेड़ की चार विशेषताएँ बताने के लिए कहें।	**किताब** के किसी चित्र को चुनें उस पर सोचें और लिखें।	**बाज़ार** विषय पर चर्चा करते हुए बच्चों के द्वारा बोले गए शब्दों को बोर्ड/कॉपी पर लिखने के लिए कहें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ तीसरे सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– कहानी, विषय, घटना, चित्र, पात्र एवं शीर्षक पर बातचीत कर सकें, घर की भाषा के साथ–साथ विद्यालय की भाषा में तर्क–वितर्क कर सकें।

सप्ताह–3

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से गतिविधि करवाएँ।** क्या–क्या उड़ाओगे– बच्चों को गोले में बैठाएँ और उड़ने वाले जीव का नाम बोलें, बच्चे हाथ ऊपर उठाएँ, न उठाने वाले बच्चे गोले से बाहर हो जाएँगे। इस प्रकार खेल फिर से शुरू हो जाएगा।	कुछ बच्चों को पूर्व में किए गए गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उनसे करवाएँ।	कुछ बच्चों को पूर्व में किए गए गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उनसे करवाएँ।	आओ खेले किताब के पी.डी.एफ. की सहायता से कोई शारीरिक खेल की गतिविधि करें।	बच्चों को अपनी पसंद का कोई गीत/कहानी सुनाने के लिए कहें। 1–2 बच्चों को बोलने का मौक़ा दें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	15 मिनट	आज रास्ते में आते हुए आपने क्या–क्या देखा? बातचीत करें।	बच्चों से **गर्मी** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	पाठ्य–पुस्तक या किसी किताब के चित्र के बारे में चर्चा करें और बच्चों को उस पर कहानी बनाकर सुनाने के लिए कहें। 2–3 बच्चों को मौक़ा दें।	**गर्मी** आपको कैसी लगती है? गर्मी से बचने के लिए क्या–क्या करते हैं? इस विषय पर बच्चों के साथ चर्चा करें।	**स्कूल की किताब** से एक चित्र चुनें। चित्र पर छोटे–छोटे समूह में बच्चे चर्चा करें और बच्चों को कहानी बना कर सुनाने के लिए कहें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	15 मिनट	**ऐसा नहीं करना** था कहानी को हाव–भाव से पढ़ने का अभ्यास समूह में करने को कहें। हर समूह से 1–2 बच्चों को पढ़ने का मौक़ा दें।	बच्चे समूह में कहानी पर प्रश्न बनाएँ और एक–दूसरे समूह से प्रश्न पूछें। बच्चों के समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले कैसा हुआ इसके बारे में फीडबैक भी दें।	**समुद्र की लहरें** कहानी के शीर्षक पर बातचीत करें, बच्चे अंदाज़ा लगाएँ, कहानी को हाव–भाव से पढ़ने का एक–एक बच्चे अभ्यास करें।	बच्चे छोटे समूह में कहानी से जुड़े प्रश्न बनाएँ और एक–दूसरे समूह से पूछें। अगले दिन होने वाले रोल प्ले की तैयारी करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	**मेले** में क्या– क्या मिलता है? उन वस्तुओ की सूची बनाने/लिखने के लिए कहें।	कहानी में आए नए शब्द ढूँढें और उनसे वाक्य बनाएँ।	बच्चों को उनकी पसंद की पाँच चीज़ों के नाम लिखने को कहें। अब बच्चे उनसे वाक्य बनाएँ।	**गर्मी** शब्द सुनकर आपके मन में जो शब्द आ रहे हैं उनकी सूची बनाएँ।	**आवाज़ों की अन्त्याक्षरी–** बच्चों के दो समूह बनाएँ। अब कोई शब्द बोलिए, जैसे– चीनी। अब एक समूह से चीनी शब्द की आख़िरी आवाज़ 'नी' से कोई शब्द बताएँ। जैसे – 'नी' से नीला आदि।	
लेखन	15 मिनट	आज की कहानी कैसी लगी? उसके बारे में पाँच वाक्य लिखने को कहें।	**पतंग** विषय पर चर्चा करें व पतंग के बारे लिखने के लिए कहें। बच्चे अपने लेखन को पढ़ें और पुनः ठीक करें।	बच्चों को कुछ शब्द दें उन शब्दों से वाक्य बनाकर लिखने को कहें।	किसी भी चित्र पर चर्चा करें और उस पर कहानी लिखने के लिए कहें। लेखन को पढ़ें अपनी ग़लतियों को पुनः ठीक करें।	**दुकान** विषय पर माइंड मैप करें जो शब्द आएँ उनसे कहानी बनाएँ। कहानी को पढ़कर त्रुटियाँ स्वयं ठीक करें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ चौथे सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– कहानी, विषय, घटना, चित्र, पात्र एवं शीर्षक पर बातचीत कर सकें, घर की भाषा के साथ–साथ विद्यालय की भाषा में तर्क–वितर्क कर सकें।

सप्ताह–4

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** लड्डू भाई गोल– मटोल, बोलो–बोलो कितना मोल?	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** गर्मी आई गर्मी आई गर्मी आई गर्मी आई, बहुत तेज़ की धूप लाई, गप्पू नहीं लिया हाथ में छाता, गर्म हो गया उसका माथा, दौड़े–दौड़े घर को आया, पानी डालकर खूब नहाया।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** सूरज निकला सूरज निकला मिटा अँधेरा, देखों बच्चों हुआ सवेरा। आया मीठा हवा का फेरा, चिड़ियों ने फिर छोड़ा बसेरा। जागो बच्चों अब मत सोओ, इतना सुंदर समय न खोओ।	कुछ बच्चों को पूर्व में किए गए गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उनसे करवाएँ।	कुछ बच्चों को पूर्व में किए गए गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उनसे करवाएँ।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	15 मिनट	बच्चे अपनी पसंद की कोई कहानी सुनाएँ। 2–3 बच्चों को मौक़ा दें।	**खीर** बनाई जाती है बच्चों से बातचीत करें। उन्हें ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से कहें कि वे अपने मन से कोई कहानी सुनाएँ।	अपनी **किताब** की कहानी को मज़ेदार तरीक़े से सुनाएँ।	**किताब** का कोई चित्र चुनें और उस पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	15 मिनट	**ब्लैकबोर्ड और डस्टर** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा अनुमान लगाकर बोलने का मौक़ा दें। कहानी हाव–भाव से पढ़कर सुनाएँ। हाव–भाव से कहानी पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।	कल पढ़ी गई कहानी पर बच्चे समूह में प्रश्न बनाएँ। एक–दूसरे समूह से उत्तर पूछें। अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले पर फीडबैक दें।	**फ़क़ीर बाबा** कहानी को हाव–भाव से पढ़कर सुनाएँ। हाव–भाव से कहानी पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।	कल पढ़ी गई कहानी पर बच्चे समूह में प्रश्न बनाएँ। एक दूसरे समूह से प्रश्नों के उत्तर पूछें। अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयारी करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	**किराने की दुकान** में क्या–क्या मिलता है उसकी सूची बनाएँ।	चावल शब्द पर माइंड मैप करें और शब्दों की सूची बनाएँ।	**ब्लैकबोर्ड** शब्द पर माइंड मैप करें। माइंड मैप द्वारा आए शब्दों से वाक्य बनवाएं।	कहानी में आए अपरिचित शब्दों को ढूढने एवं उसके अर्थ को लिखने के लिए कहें।	बच्चों को कोई **विषय** दें और कुछ देर सोचने के लिए कहें। अब उस विषय पर 1 मिनट बोलने के लिए कहें।	
लेखन	15 मिनट	आसमान, मैदान, बकरी और सूरज इन शब्दों से कहानी बनाकर लिखें। कहानी को पुनः पढ़े और ठीक करें।	कहानी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखें। उन्हें पुनः पढ़ें और ग़लतियाँ ठीक करें।	कमरा, बिजली, डस्टर आदि शब्दों पर बातचीत करें और मौखिक कहानी तैयार करें। अब बच्चे समूह में कहानी लिखें।	चित्र कार्ड पर चर्चा करें, चित्र पर कहानी लिखें, कहानी को पढ़ें व पुनः ठीक करें।	**गर्मी** विषय पर माइंड मैप करें। जो शब्द आएँ उनमें से 4–5 शब्दों से कहानी बनाकर लिखें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ पाँचवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– किसी कहानी को समझ के साथ पढ़ सकें और अपने अनुभव को जोड़ते हुए अभिव्यक्त कर सकें।

सप्ताह–5

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** धम्मक धम्मक आता हाथी धम्मक धम्मक आता हाथी। धम्मक धम्मक जाता हाथी। पंखे जैसे कान है उसके, लम्बी सूँड़ हिलाता हाथी। धम्मक धम्मक आता....	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** छुक–छुक करती आती रेल छुक–छुक करती आती रेल सबको पास बुलाती रेल। सबको घर पहुँचाती रेल, सीटी खूब बजाती रेल, स्टेशन पर रुक जाती रेल।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** पानी का जहाज पानी का जहाज पानी में जब जहाज चलता, ढेर सारा वजन भरता। देश–विदेश तक वह जाता, सबकी लंबी सैर कराता। फिर वापस वहीं आ जाता।	बच्चों के साथ हाव–भाव से **हइया रे हइया** कविता गाएँ।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** मटर की फलियाँ बड़ी–बड़ी मटर की फलियाँ बड़ी–बड़ी। देखो कैसी हरी–हरी। तलकर इसको मज़े से खाओ। जो घर आए उसे भी खिलाओ।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	पुड़िया किन–किन चीज़ों से बनती है? इसके बारे में बच्चों से बातचीत करें।	बच्चों से **नदी** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से कहें की वे अपने मन से कोई कहानी सुनाएँ।	**खिलौने** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को कहानी के बारे में अनुमान लगाकर बोलने का मौक़ा दें।	अपनी **किताब** से कोई चित्र चुनें, चित्र कार्ड पर चर्चा करें। बच्चों का ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी / पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**शरारत की पुड़िया** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। हाव–भाव से कहानी पढ़ने का अभ्यास करें।	कल पढ़ी गई कहानी पर बच्चे समूह में प्रश्न बनाएँ। एक–दूसरे से उत्तर पूछें। कहानी पर रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले पर फीडबैक दें।	बच्चों को शिक्षक मौखिक कहानी सुनाएँ। खिलौने बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें।	कहानी पर समूह में प्रश्न बनाएँ। एक समूह, दूसरे समूह से प्रश्न का उत्तर पूछें। कहानी रोल प्ले की तैयार करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	**रसोई घर** में कौन–कौन से मसाले होते हैं? उनकी सूची बनाएँ।	बच्चों को समूह में बैठाएँ और शब्दों की अन्त्याक्षरी करवाएँ।	एक मिनट का समय दें। बच्चों को 'ज' अक्षर से शब्द बोलने के लिए कहें। देखें बच्चों ने एक मिनट में कितने शब्द बोलें।	**खिलौना** शब्द पर माइंड मैप करें। नए शब्दों से वाक्य बनाकर लिखें।	आप कौन–कौन से खेल खेलते हैं? उनकी सूची बनाएँ।	
लेखन	15 मिनट	**चीनी की दुकान** इस नाम से यदि कोई कहानी हो, तो कहानी मे क्या होगा? सोचकर लिखें।	आप ने कभी कोई शरारत की हो तो उस अनुभव को लिखें। पुनः पढ़े व ठीक करें।	आज **सुलेखा** का स्कूल में पहला दिन था। उसकी माँ स्कूल छोड़ने के लिए साथ में आई थी... आगे क्या हुआ होगा अधूरी कहानी को पूरा करें। लिखने के बाद पढ़े पुनः ठीक करें।	**किताब** के चित्र पर चर्चा करें, कहानी लिखें। कहानी को पुनः पढ़ें और ग़लतियों ठीक करने के लिए कहें।	कहानी पर बनाए गए प्रश्नों के उत्तर पर चर्चा करें। अब उत्तर को स्वंय लिखे, पढ़कर पुनः ठीक भी करें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ छठे सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– किसी कहानी को समझ के साथ पढ़ सकें और अपने अनुभव को जोड़ते हुए अभिव्यक्त कर सकें।

सप्ताह–6

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** सब्ज़ी ले लो सब्ज़ी ले लो, सब्ज़ी ले लो, आलू, गोभी, भिंडी ले लो। बथुआ, पालक, मेथी भी है, सब्ज़ी खाओ फिर तुम खेलो।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** आलू है सब्ज़ी का राजा आलू है सब्ज़ी का राजा, बच्चों के है मन को भाता। सभी सब्ज़ियों का ये साथी, सब सब्ज़ी के संग मिल जाता।	कुछ बच्चों से पूर्व में किए गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उनसे कविता सुनें।	**शिक्षक** कोई एक गतिविधि दीक्षा ऐप पर प्ले करें सभी बच्चे देख कर उसी प्रकार करें।	बच्चों की पसंद का कोई खेल खेलें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	हम बीमार क्यों होते हैं? बीमार होने पर क्या करना चाहिए? बच्चों से बातचीत करें।	बच्चों से चाय बनाने की प्रक्रिया पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से कहें कि वे अपने मन से कोई कहानी सुनाएँ।	खेलते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और क्यों? बातचीत करें।	**किताब** के चित्रों पर चर्चा करें बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	बहुत दिनों बाद कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा अनुमान लगाकर बोलने का मौक़ा दें।	कल पढ़ी गई कहानी पर बच्चे समूह में प्रश्न बनाएँ और एक दूसरे समूह से उनके उत्तर पूछें।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले पर फीडबैक भी दें।	**फ़ुटबॉल** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। जरूरत के अनुसार बच्चों की मदद करें।	कल पढ़ी गई कहानी पर छोटे–छोटे समूह में बच्चे प्रश्न बनाएँ एवं एक दूसरे समूह से प्रश्न पूछें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कहानी में ऐसे शब्द ढूँढें जिनके उल्टे अर्थ वाले शब्द बनें। जैसे– बहुत – कम बाद – पहले।	कहानी के बारे में सोचें और कौन–कौन से शब्द पढ़ें उनकी सूची बनाएँ।	कुछ परिचित शब्दों को दें उससे वाक्य बनाने को कहें। जैसे– ख़बर, कुर्सी, स्वागत, ख़ुशी, आदि। वाक्य– रवि ने आज अच्छी ख़बर सुनाई है।	**खीर** बनाने में किन–किन वस्तुओं की आवश्यकता होती है। उसकी सूची बनाएँ।	**फ़ुटबॉल** विषय पर एक मिनट बोलने के लिए कहें।	
लेखन	15 मिनट	कुछ परिचित शब्दों को दें उससे वाक्य बनाने को कहे। जैसे– केला, पानी, नमक, सोना, नदी आदि। वाक्य – केला पीला होता है।	कुछ परिचित शब्दों को दे उससे वाक्य बना कर लिखने को कहें। जैसे– तालाब, मछली, जाल, पानी आदि। वाक्य – तालाब बहुत सुन्दर है।	आज पढ़ी गई कहानी का पात्र बदल कर कहानी को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहें।	खेल क्यों ज़रूरी है? बातचीत करके बच्चों को लिखने के लिए कहें। बच्चे लिखे हुए को पढ़ें और ठीक करें।	कुछ परिचित शब्दों को दें उससे कहानी बनाने को कहें। जैसे– बाज़ार, खिलौना, सामान, घूमना, सामान। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ सातवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– किसी कहानी को समझ के साथ पढ़ सकें और अपने अनुभव को जोड़ते हुए अभिव्यक्त कर सकें।

सप्ताह–7

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** लंबी–लंबी भिंडी लंबी–लंबी भिंडी, हरी–हरी भिंडी। सिर पर छोटा ताज लगाए, मटक रही है भिंडी।	कुछ बच्चों से पूर्व में की गई गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उनसे करवाएँ।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** पानी बिना चलें न काम पानी बिना चलें न काम, पानी आता सबके काम। पानी से हम रोज़ नहाते, कपड़े धोते, खाना पकाते। पौधे जब मुरझाने लगते, पानी से फिर हरे भरें हो जाते।	अलग–अलग चीज़ों से धुन निकालने के लिए कहें। जैसे – कॉपी, ताली, चुटकी, ज़मीन और थपथपाना आदि।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** नदी कभी न रुकती है नदी कभी न रुकती है, हरदम बहती जाती है। गाँव–गाँव और शहर–शहर में, कल–कल–कल–कल करती है।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	बच्चों के साथ आम शब्द पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से उनके गाँव के बारे में बातचीत करें। उनके गाँव की ख़ास बात पूछें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से कहें कि वे अपने मन से कोई कहानी मज़ेदार तरीके से सुनाएँ।	**संगीत** किसे पसन्द है और क्यों? बच्चों से चर्चा करें।	चित्र कार्ड पर चर्चा करें बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**आम जैसा बनूँगा!** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। जरूरत पढ़ने पर बच्चों की मदद करें।	कहानी पर बच्चे समूह में प्रश्न बनाएँ। एक दूसरे समूह से उत्तर पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले पर फीडबैक जरूर दें।	**हमारा संगीत** कहानी को हाव–भाव से पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	कहानी पर बच्चे प्रश्न बनाएँ और एक दूसरे समूह से उत्तर पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कहानी से मिलते–जुलते शब्द ढूँढकर उनसे वाक्य बनाएँ।	बच्चे कहानी से पाँच ऐसे शब्द ढूँढकर निकालें जिनके समान अर्थ वाले शब्द लिखे जा सकते हैं।	स्कूल में पढ़ने के अलावा और कौन–कौन सी चीज़ें होती हैं? उनकी सूची बनाएँ।	**बाग़** से हमें क्या–क्या मिलता है उसकी सूची बनाएँ।	**स्कूल** विषय देकर बच्चों से उस पर एक मिनट बोलने के लिए कहें।	
लेखन	15 मिनट	पेड़ से क्या–क्या लाभ होता है? चर्चा कर बच्चों से लिखने के लिए कहें। लिखे हुए को पढ़े पुनः ठीक करें।	अपने गाँव के बारे चर्चा कर लिखने के लिए कहें। लिखे हुए को पढ़ें, पुनः ठीक करें।	कुछ परिचित शब्दों को दें उससे वाक्य बनाने को कहें। जैसे–, तारे, मस्ती, लकड़हारा, अंजीर, झुण्ड आदि। वाक्य– आसमान में तारे हैं।	**किताब** के किसी चित्र पर चर्चा करें। कहानी लिखने के बाद में उसे पढ़कर सुधार करने के लिए कहें।	माइंड मैप– संगीत शब्द सुनकर जो शब्द मन में आ रहे हैं, उन्हें लिखें। किन्हीं पाँच शब्दों से एक कहानी सोचकर लिखें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ आठवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– किसी कहानी को समझ के साथ पढ़ सकें और अपने अनुभव को जोड़ते हुए अभिव्यक्त कर सकें।

सप्ताह–8

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हावभाव से कविता गाएँ।** धम्मक धम्मक आता हाथी। धम्मक धम्मक जाता हाथी। पंखे जैसे कान है उसके, लम्बी सूँड़ हिलाता हाथी। धम्मक धम्मक आता....	एक बोलने पर एक बार कूदना दो बोलने पर ताली बजाना तीन बोलने पर गर्दन हिलाना। जल्दी–जल्दी शिक्षक यह गिनती बोले बच्चे यह क्रिया करें। क्रम को बदलकर भी गिनती बोलें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** दूर–दूर तक भरा है पानी, सागर में है कितना पानी। ऊँची–ऊँची लहरें उठती, पर इसमें हैं खारा पानी।	एक बोलने पर एक बार कूदना दो बोलने पर ताली बजाना तीन बोलने पर गर्दन हिलाना। जल्दी–जल्दी शिक्षक यह गिनती बोले बच्चे यह क्रिया करें। क्रम को बदलकर भी गिनती बोलें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** मेरी गुड़िया पड़ी बीमार, बुखार चढ़ा है एक सौ चार। डॉक्टर को जल्दी बुलवाओ, और दवाई उसे पिलाओ।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	शिक्षक अपनी कोई घटना बच्चों को बताएँ और उनसे कोई घटना बताने को कहें। जैसे– एक बार मैं विद्यालय आ रहा था। बारिश हो रही थी। मेरी बाइक फिसल गई और मैं गिर गया। हमारे सारे कपड़े ख़राब हो गए। मैंने कपड़े बदले। उसके बाद फिर मैं विद्यालय आया।	बच्चों से **यातायात के साधन** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**किताब** की कहानी के चित्रों पर चर्चा करके बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों को अपने सबसे अच्छे दोस्त के बारे में बोलने को कहें। जैसे– उसका नाम क्या है? उसका घर कहाँ पर है? उनको पसंद क्या–क्या है? उनकी कौन–सी बात आपको पसंद है?	बच्चों को कोई मन पसंद कहानी मज़ेदार तरीके से सुनाने के लिए कहें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**गणित की कॉपी** बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें। शिक्षक कहानी पर चर्चा करें।	कहानी पर बच्चे समूह में प्रश्न बनाएँ। एक दूसरे समूह से उत्तर पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले पर फीडबैक भी दें।	मेरे जैसी कहानी को बच्चे हाव–भाव से पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें। शिक्षक बच्चों की मदद करें।	कहानी पर बच्चे समूह में प्रश्न बनाएँ। एक दूसरे समूह से उत्तर पूछें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयारी करने के लिए कहें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कहानी के कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें बच्चे उसका उल्टा शब्द बताएँ एवं लिखें। जैसे – आख़िरी – पहला ग़लत – सही देर – जल्दी सोना – जागना	कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखे बच्चे उसका सामान अर्थ वाले शब्द बतायें एवं लिखें। जैसे– आँख=नेत्र, नैना बैग= झोला, बस्ता	4–5 बच्चों का छोटा–छोटा समूह बनाएँ। प्रकृति द्वारा निर्मित वस्तुओं के नाम पर चर्चा कर लिखने के लिए कहें।	**पानी** शब्द से जुड़े जितने शब्द मन में आएँ, उनकी सूची बनाएँ।	बच्चों को **पानी** विषय पर एक मिनट बोलने को कहें।	
लेखन	15 मिनट	**स्कूल** क्यों ज़रूरी है? इस बारे में बातचीत करें। बच्चों को लिखने के लिए कहें। लिखे हुए को पढ़कर सुनाने के लिए कहें।	बनाए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें। उत्तर लिख कर पढ़ें और ठीक करें।	कुछ परिचित शब्दों को दें उससे कहानी बनाने को कहें। जैसे– जंगल, पहाड़, फूल, झरना, शेर, खरगोश।	चित्र पर चर्चा कर, कहानी लिखने के लिए और बाद में उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	माइंड मैप– **शादी** शब्द सुनकर बच्चों के दिमाग में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं। बताने और लिखने के लिए कहें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ नौवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– नई कहानी को पढ़कर, उस में आए नए शब्दों को समझते हुए विश्लेषणात्मक रूप से समझ बना सकें।

सप्ताह–9

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बिल्ली मौसी : बिल्ली मौसी, बिल्ली मौसी, कहो कहाँ से आई हो? कितने चूहे मारे तुमने? कितने खाकर आई हो? क्या बताऊँ सीता बहन, आज नहीं पेट भरा। एक ही चूहा खाया मैंने, वो भी बिल्कुल सड़ा हुआ।	कुछ बच्चों से पूर्व में की गई गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बन्दर मामा पहन पजामा, पैर में उनके बढ़िया बूट। जब से आला गले में डाला, साइन बोर्ड अपना लगवाया। डॉक्टर बन्दर नाम लिखाया, बन्दर मामा पहन पजामा।	कुछ बच्चों से पूर्व में की गई गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	शिक्षक बच्चों से बातचीत करें कि वे अपनी नानी के घर किन–किन साधनों से जाते हैं।	शिक्षक बच्चों से पूछें की यदि आप डॉक्टर होते तो क्या करते? बच्चों को बारी–बारी से बोलने का मौक़ा दें।	मकान बनाने के लिए कौन–कौन सी वस्तुओं की ज़रूरत होती है ? इस विषय पर बच्चों के साथ बातचीत करें।	शिक्षक बच्चों से पूछें कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं और क्यों?	बच्चों से पूछें कि घरेलू जानवरों को पालने से क्या–क्या फ़ायदे होते हैं? सोचें और बताएँ।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**स्वादिष्ट पराठा** कहानी के शीर्षक पर बातचीत करें। बच्चों को हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें।	कल पढ़ी गई कहानी पर बच्चे समूह में प्रश्न बनाएँ, एक समूह दूसरे समूह से प्रश्न पूछे। रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें।	कहानी को बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें। चुप्पी की टूटी चुप्पी बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें।	कहानी का कौन–सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? इस बारे में बातचीत करें। रोल प्ले की तैयारी करवाएँ।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कहानी के कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, बच्चे उन शब्दों के विपरीत शब्द बताएँ व लिखें। जैसे– हँसना–रोना जल्दी–देरी	कहानी के कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें बच्चे उसके समान अर्थ वाले शब्द बताएँ व लिखें। जैसे –तुरंत–तत्काल, घर–गृह।	**पराठा** शब्द से मिलते–जुलते शब्दों की सूची बनाएँ।	**रसोई–घर** में हमें कौन–कौन से बर्तन देखने को मिलते हैं, उसकी एक सूची बनाएँ।	शब्दों को क्रम से सजाकर सही वाक्य बनाने को कहें। जैसे – रहा, पढ़ाई, मोहन ,कर रहा है। सही वाक्य – मोहन पढ़ाई कर रहा है।	
लेखन	15 मिनट	कहानी में तनवीर की जगह आप होते तो क्या करते और क्यों? लिखें। लिखकर बच्चे स्वयं ग़लतियों को ठीक करें।	**स्वादिष्ट पराठा** कहानी की सबसे अच्छी बात क्या लगी और क्यों? लिखें। बच्चे पढ़े और पुनः ठीक करें।	कहानी के प्रश्नों के उत्तर कॉपी में लिखें। उत्तर पढ़ें व पुनः ठीक करें।	**चुप्पी** शब्द सुनकर आप के मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उसको कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। कॉपी/बोर्ड पर लिखे गए शब्दों से नए वाक्य बनाकर लिखने को कहें।	**चुप्पी** की टूटी चुप्पी वाक्य से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ दसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– नई कहानी को पढ़कर, उस में आए नए शब्दों को समझते हुए विश्लेषणात्मक रूप से समझ बना सकें।

सप्ताह–10

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** चक्की बोली पुक पुक पुक। गड्डर वाले रुक रुक रुक। गेहूँ का आटा ले जाओ। रोटी सेंक मज़े से खाओ।	कुछ बच्चों से पूर्व में करवाएं हुए गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** काला मोटा भालू आता, झूम–झूम कर नाच दिखाता। शहद जहाँ भी वह है पाता, झट से उसको चटकर जाता।	बच्चों का मनपसंद कोई ऐसा खेल खेलें जिसमें बच्चों की बड़ी माँसपेशियों का विकास हो सके।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	किस–किस को तेज़ दौड़ना पसंद है? दौड़ने के क्या–क्या फ़ायदे होते हैं? बच्चों से बातचीत करें।	**किताब** का कोई चित्र दिखाकर बच्चों से चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से उनके पसंदीदा स्थान के बारे में चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से –ज़्यादा अनुमान लगाकर बोलने का मौक़ा दें।	आसमान में हमें क्या–क्या दिखाई देता है? बातचीत करें।	स्कूल जाना क्यों ज़रूरी है? बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**सरपट दौड़ती तेजो** बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी पर प्रश्न बनाएँ और एक–दूसरे से पूछें।	कहानी में आपको क्या अच्छा नहीं लगा और क्यों? इसके बारे में बच्चों से बातचीत कीजिए।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने के लिए कहें। रोल प्ले पर फीडबैक भी दें।	कहानी **तेरा आसमान** बच्चों को हाव–भाव से पढ़कर सुनाने के लिए कहें। जरूरत के अनुसार बच्चों की मदद करें। कहानी पर प्रश्न भी बनाएं।	**तेरा आसमान** कहानी से क्या समझ आया? अपने शब्दों में बताएँ और रोल प्ले की तैयारी कराएँ।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कहानी के कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, बच्चे उन शब्दों का समानार्थी शब्द बताएँ व लिखें। जैसे– भोर–सुबह, तन–शरीर आदि।	कहानी के कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें उसका विलोम शब्द बच्चों को कॉपी में लिखने के लिए कहें।	मानव द्वारा निर्मित चीज़ों के नाम बच्चों को कॉपी में लिखने के लिए कहें।	**आसमान** शब्द पर माइंड मैपिंग करें। शब्दों का वर्गीकरण करके लिखें।	सरसराहट से मिलते–जुलते शब्दों की सूची बनाकर लिखें।	
लेखन	15 मिनट	आज पढ़ी गई कहानी को अपने शब्दों में लिखने एवं पढ़कर सुधारने के लिए कहें।	बच्चों को कुछ परिचित शब्द दें और उससे कहानी बनाकर लिखने को कहें। जैसे – दादा, दोस्त, हवा, बाग़, जल्दी, वापस।	बच्चे कहानी के सवांद पर चर्चा करें रो प्ले के लिए स्क्रीप्ट लिखें।	माइंड मैप **आसमान** शब्द करने पर में जो शब्द आए हैं उनमें से पाँच शब्द चुनकर कहानी लिखें व उन्हें पढ़कर ठीक करें।	**तेरा आसमान** विशय पर आप अपनी कोई नई कहानी सोचें और लिखें। कहानी को पुनः पढ़े और ठीक करें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ ग्याहरवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– नई कहानी को पढ़कर, उस में आए नए शब्दों को समझते हुए विश्लेषणात्मक रूप से समझ बना सकें।

सप्ताह–11

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** मेरी बिल्ली काली पीली। एक लोटा पानी से हो गई गीली। अक्छीं–अक्छीं लगी छींकने। मैं तो बोला कुछ तो सीख। बिना रुमाल कभी न छींक।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** चक्की बोली पुक पुक पुक। गड्डर वाले रुक रुक रुक। गेहूँ का आटा ले जाओ। रोटी सेंक मज़े से खाओ।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** **आज का वार्मअप खेल है :** 'शब्द बनाओ टॉफ़ी पाओ' इस खेल के लिए शिक्षक बच्चों को सार्थक शब्द के बारे में सामान्य बाते बताएँगे और कुछ शब्द मौखिक रूप से बनवाएँगे। उत्तर के लिए बच्चों को समय दें व उन्हें प्रोत्साहित करें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** आज हम लोग बच्चों के साथ कूदते और चलते हुए पैटर्न बनाने की गतिविधि करेंगे।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	शिक्षक बच्चों से बातचीत करें कि सुबह उठने के क्या–क्या फ़ायदे होते हैं?	शिक्षक बच्चों से पूछें कि वे कहाँ–कहाँ घूमने गए हैं और उन्हें कैसा लगा ?	बच्चों से उनके पसंदीदा स्थान के बारे में चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से –ज़्यादा अनुमान लगाकर बोलने का मौक़ा दें।	शिक्षक बच्चों से उनकी दिनचर्या के बारे में बातचीत करें।	पानी हमारे लिए क्यों उपयोगी है? इस विषय पर बच्चों के साथ चर्चा करें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**एक नई सुबह** बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें।	कहानी पर प्रश्न बनाएँ और एक–दूसरे समूह से पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने के लिए कहें। रोल प्ले पर फ़ीडबैक ज़रूर दें।	सब उस बिल्ली की ग़लती है? बच्चों को हाव–भाव से पढ़कर सुनाने के लिए कहें। को बच्चे समूह में कहानी पढ़ने का अभ्यास करें।	कहानी पर प्रश्न बनाएँ और एक–दूसरे समूह से पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कहानी के कुछ शब्दों पर बच्चों से बातचीत करें। उन शब्दों के समानार्थी शब्द बताएँ व लिखें। जैसे– आकाश – अंबर, नभ कमल – जलज, अम्बुज	कहानी में आए ऐसे शब्दों को लिखें जिनके बहुवचन लिखे जा सकते हों।	**लोहे** से बनने वाली चीज़ों के नाम लिखने को कहें।	'ती' लगाकर पुल्लिंग से स्त्रीलिंग शब्द में बदलिए। जैसे– गुणवान – गुणवती आदि। अपनी पाठ्य–पुस्तक ऐसे कितने शब्द निकाले जा सकते हैं।	समूह बनाएँ, बच्चों को शब्दों की अन्त्याक्षरी खेलने के लिए कहें।	
लेखन	15 मिनट	आज पढ़ी गई कहानी को अपने शब्दों में लिखने एवं पढ़कर सुधारने के लिए कहें।	समूह में चर्चा करें और रोल प्ले की तैयारी करें। रोल प्ले की स्क्रीप्ट लिखें।	**भोर** शब्द सुनकर आप के मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों का वर्गीकरण भी करने के लिए कहें।	आपके अनुसार कहानी में ग़लती किसकी थी और क्यों? लिखने के लिए कहें। कहानी के प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहें। बच्चे उत्तर दोबारा पढ़ें और ठीक करें।	माइंड मैप– **टोली** शब्द सुनकर आपके मन में आये शब्द उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। कॉपी/बोर्ड पर लिखे गए शब्दों से नए वाक्य बनाकर लिखने को कहें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ बारहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– नई कहानी को पढ़कर, उस में आए नए शब्दों को समझते हुए विश्लेषणात्मक रूप से समझ बना सकें।

सप्ताह–12

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** **लड्डू भाई :–** लड्डू भाई गोल मटोल बोलो बोलो कितना मोल? हलवाई के प्यारे हो, सबके राजदुलारे हो। तुम्हें देख कर हो जाती हैं, मेरी हालत डाँवा डोल। लड्डू भाई गोल मटोल बोलो बोलो कितना मोल? जब जब देखे थाल भरे, सबके मुँह से राल गिरे। आ जाओ तुम दूर न हो, क्यों करते हो ताल मटोल? लड्डू भाई गोल मटोल बोलो बोलो कितना मोल?	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बिल्ली मौसी बिल्ली मौसी, कहों कहा से आयीं हों। कितने चूहे मारे तुमने, कितने खा कर आयीं हों। क्या बताऊँ सीता बहन, आज नही पेट भरा। एक ही चूहा खाया मैंने, वो भी बिल्कुल सड़ा हुआ।	कुछ बच्चों से पूर्व में किए गए गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** दादी दादी मेरी बड़ी सयानी, रोज सुनाती नई कहानी। प्यारी प्यारी लोरी गाती, मुझको अपने पास बुलाती।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	बच्चों से पूछें कि बाँस क्या होता है? वह किस काम आता है?	ज़्यादा बारीश होने से क्या–क्या फ़ायदे और नुकसान हैं? बातचीत करें।	**किताब** के चित्रों पर चर्चा करें बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	आपको मिठाई में सबसे अच्छा क्या लगता है? उसके बारे में पूछें और मिठाई बनाने के तरीक़े के बारे में चर्चा करें।	बच्चे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं? अगर आप शिक्षक होते तो क्या–क्या करते? बताएँ।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**बाँस** कहानी को हाव–भाव से पढ़कर सुनाने के लिए कहें। बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें।	कल पढ़ी गई कहानी को बच्चे पढ़कर सुनाएँ और कहानी एवं अपरिचित शब्दों के अर्थ पर चर्चा करें बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर होने वाले रोल प्ले की तैयार करने लिए कहें।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने के लिए कहें। रोल प्ले पर फीडबैक दें।	**निराली चिड़ियाँ** बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	कहानी पर बच्चे समूह में प्रश्न बनाएँ और दूसरे समूह से पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	**बाँस** से क्या–क्या बनता है? उसकी सूची बनाने के लिए कहें।	कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखे बच्चे उसका समानार्थी शब्द लिखने के लिए कहें। जैसे – पौधा – पेड़, वृक्ष शादी – विवाह	कहानी में ऐसे शब्द ढूँढकर निकालें जिनके बहुवचन बन सकते हैं। उन्हें लिखें।	कहनी से ऐसे शब्द ढूँढ़कर लिखें जिनके समानार्थी शब्द बन सकें। जैसे : निरानी–अनोखी	माइंड मैप– **चन्द्रमा** शब्द सुनकर आप के मन में कौन – कौन सा शब्द आ रहा है उसको कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें।	
लेखन	15 मिनट	**हवा** शब्द सुनकर आप के मन में जो शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों का वर्गीकरण भी करने को कहें।	रोल प्ले का आलेख (स्क्रिप्ट) लिखने के लिए कहें। पुनः पढ़कर ठीक करने के लिए कहें।	अधूरी कहानी पूरी करो – एक घना जंगल था। उसके पास के गाँव में दो दोस्त रहते थे। एक दोस्त को चोट लग गई... अधूरी कहानी पूरी करने के लिए कहें।	माइंड मैप– **मिट्टी** शब्द सुनकर आपके मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों का वर्गीकरण भी करने को कहें।	गलती माफ़ सुधारो तो सही जैसे – सीता घर जाता है। सही – सीता घर जाती है। इसी प्रकार से अलग – अलग ग़लत वाक्य संरचना को देकर सही करवाएँ।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ तेरहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– पाठ्य पुस्तक के अपरिचित शब्दों के अर्थों को ढूँढ सकें एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकें।

मुहावरों व कहावतों को भी समझ सकें।

सप्ताह–13

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	कुछ बच्चों से पूर्व में की गई गीत/कविता गाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	बच्चों के साथ हाव–भाव से **एक बुढ़िया ने बोया दाना,** कविता गाएँ।	बच्चों को एक बोलने पर एक बार कूदना दो बोलने पर ताली बजाना तीन बोलने पर गर्दन हिलाना। जल्दी–जल्दी शिक्षक यह गिनती बोले बच्चे यह क्रिया करें। क्रम को बदलकर भी गिनती बोलें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बन्दर डाल पर बैठा है, क्या बन्दर तू भूखा है? मेरे पास आ रोटी खा, पानी पी ,घुट घुट घुट बन्दर कूद कूद कूद	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	आप कब–कब और किन–किन बातों पर हँसते हैं और क्यों? बच्चों से बातचीत करें।	आपको कौन–कौन सा काम करना अच्छा लगता है और क्यों? बातचीत करें।	**मकान** शब्द पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**कभी भी, कहीं भी** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बच्चों से कहें कि अगर आप गाँव के प्रधान होते तो गाँव के लिए क्या–क्या करते? बताएँ।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**हँसना मना है** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें और हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें।	बच्चे समूह में कहानी पर प्रश्न बनाएँ और एक–दूसरे समूह से पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें और रोल प्ले पर फीडबैक दें।	बच्चों को **कभी भी, कहीं भी** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें व हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें।	बच्चे कहानी पर समूह में प्रश्न बनाकर एक–दूसरे से पूछें और रोल प्ले की तैयारी कराएँ।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	**पानी** से क्या–क्या होता है? बच्चों को वाक्यों में लिखने के लिए कहें।	कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें फिर बच्चों को उन शब्दों के समानार्थी शब्द लिखने के लिए कहें। जैसे – मित्र – दोस्त , साथी बस्ता – बैग, झोला	कहानी से कुछ शब्दों को दें, उससे नए वाक्य बनाकर लिखने के लिए बच्चों को कहें। जैसे – लपककर, दोस्त, गायब, हँसना आदि। वाक्य –राजू और उसके दोस्त हँस रहे हैं।	कहानी में आए विलोम शब्द निकालें और उनके अर्थ लिखें।	माइंड मैप **सूरज** शब्द सुनकर आपके मन में जो शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। कॉपी/बोर्ड पर लिखे गए शब्दों से नए वाक्य बनाकर लिखने को कहें।	
लेखन	15 मिनट	बच्चों से चर्चा करें कि आप कब–कब उदास हो जाते हैं और क्यों? बच्चों को लिखने के लिए और बाद में उसे पढ़कर सुधार करने के लिए कहें।	एक जंगल में बहुत सारे जानवर रहते थे। वे सभी खुशी–खुशी अपना जीवन बिता रहे थे... आगे क्या हुआ होगा? बच्चों को कहानी पूरा करने के लिए कहें।	माइंड मैप **बस** शब्द सुनकर आप के मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों का वर्गीकरण भी करने के लिए कहें।	**किताब** के किसी चित्र पर चर्चा करें। कहानी लिखने के बाद में उसे पढ़कर सुधार करने के लिए कहें।	ग़लती माफ़ सुधारो तो सही जैसे – रीना घर जाता है। सही – रीना घर जाती है। इसी प्रकार से अलग–अलग ग़लत वाक्य संरचना को देकर सही करवाएँ।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ चौदहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– पाठ्य पुस्तक के अपरिचित शब्दों के अर्थों को ढूँढ सकें एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकें।

मुहावरों व कहावतों को भी समझ सकें।

सप्ताह–14

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** पोशम पा भई, पोशम पा यह खेल बच्चों के साथ करें।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बंदर डाल पर बैठा है, क्या बंदर तू भूखा है ? मेरे पास आ रोटी खा, पानी पी, घुट घुट घुट बन्दर कूद कूद कूद ...	कुछ बच्चों से पूर्व में किए गए गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	**गाओ और घुमाओ** आओं खेलें पुस्तिका से इस खेल के लिए एक रुमाल, दुपट्टा या चौक कोई दूसरी चीज़ ले लीजिए। जो बच्चे एक–दूसरे को आसानी से दे सकें। बच्चे घेरे में रहे। आप उनकी तरफ़ पीठ करके ताली बजाना शुरू करें। ताली के साथ ही बच्चे भी रुमाल को एक हाथ से दूसरे बच्चे के हाथ में देते जाएँगे। आप जैसे ही ताली बजाना रोक देंगे, उस समय ज़िस बच्चे के हाथ में रुमाल होगा, उसे कोई गीत, कविता या चुटकुला सुनाना होगा।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	पक्षियों के बारे में बातचीत करें कौन–कौन से पक्षी होते हैं ? कहाँ–कहाँ रहते हैं ? बच्चों से बातचीत करें बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**किताब** के किसी चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	मकान बनाने की प्रक्रिया पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	बारिश से बचने के लिए आप क्या–क्या करते हैं? बातचीत करें।	बच्चों से कहें कि अगर आप स्कूल के हेड टीचर होते तो अपने स्कूल के लिए क्या–क्या करते? बताएँ।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	बच्चों को हाव–भाव के साथ पक्षी कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें। जरूरत पढ़ने पर बच्चों की मदद करें।	बच्चों को समूह में कहनी पर प्रश्न बनाने के लिए कहें। प्रश्नों के उत्तर समूह में पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें और रोल प्ले पर फ़ीडबैक दें।	**लाल बरसाती** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। कहानी को बच्चों से हाव–भाव से पढ़कर सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहानी समूह में पढ़नें का अभ्यास करें।	बच्चे कहानी पर समूह में प्रश्न बनाएँ एक दूसरे से प्रश्न पूछें। कहानी पर रोल प्ले की तैयारी करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	बच्चों से कहें कि वे पानी में तैरने वाले जीव–जंतुओं के नाम लिखें और किन्हीं पाँच नामों पर वाक्य बनाएँ।	कुछ मुहावरों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसका अर्थ लिखने के लिए कहें। जैसे – ऊँट के मुँह में जीरा। अर्थ –ज़्यादा खाने वाले को कम मिलना आदि।	बच्चों को कहानी में आए कुछ शब्द दें और उन शब्दों से नए वाक्य लिखने के लिए कहें। जैसे – पक्षी, चोंच, तोता आदि। वाक्य –पक्षी आसमान में उड़ते हैं।	**नीम** शब्द पर माइंड मैप करें और उन शब्दों से वाक्य बनाएँ।कहानी के अपरिचित शब्दों के अर्थों को ढूँढने व लिखने के लिए कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	माइंड मैप **बारिश** शब्द सुनकर आपके मन में जो शब्द आ रहे हैं। उन्हें कॉपी में लिखने को कहें।	
लेखन	15 मिनट	बच्चों को बहुत ऊँचा उड़ने वाले एवं कम ऊँचा उड़ने वाले पक्षियों की अलग–अलग सूची बनाने के लिए कहें।	रोल प्ले का स्क्रिप्ट लिखने के लिए कहें।	मोलू और भोलू दो बंदर थे। वे दोनों एक साथ रहते थे। एक दिन मोलू जंगल में कहीं खो गया... बच्चों को कहें कि वे इस अधूरी कहानी को पूरा करें।	माइंड मैप **बगीचा** शब्द सुनकर आप के मन में जो शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों का वर्गीकरण भी करने के लिए कहें।	**ग़लती माफ़ सुधारो तो सही** जैसे – कैलाश तालाब में नहा रही है। सही – कैलाश तालाब में नहा रहा है। इसी प्रकार से अलग–अलग ग़लत वाक्य संरचना को देकर सही करवाएँ।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ पंद्रहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– पाठ्य पुस्तक के अपरिचित शब्दों के अर्थों को ढूँढ सकें एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकें।

मुहावरों व कहावतों को भी समझ सकें।

सप्ताह–15

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बन्दर डाल पर बैठा है, क्या बन्दर तू भूखा है ? मेरे पास आ, रोटी खा, पानी पी, घुट घुट घुट बन्दर कूद कूद कूद...	आओ खेलें पुस्तिका से कोई एक खेल खेलें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** पोशम पा भई, पोशम पा यह खेल बच्चों के साथ करें।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	आओ खेलें पुस्तिका से गाओ और घुमाओ खेल खेलें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	बच्चों से उनके घर के आस–पास के बारे में बातचीत करें।	**किताब** के किसी चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	आपके गाँव या मोहल्ले में कौन–कौन से त्योहार मनाएँ जाते हैं और त्योहारों पर आप क्या–क्या करते हैं?	अपने गाँव या मोहल्ले में पाए जाने वाले पालतू जानवरों के बारे में बातचीत करें।	बच्चों से कहें कि अगर आप एक सैनिक होते तो अपने देश के लिए क्या–क्या करते? बताएँ।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	बच्चों को हाव–भाव के साथ **खड़िया** कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें।	कल पढ़ी गई कहानी पर बच्चे प्रश्न बनाए। एक समूह दूसरे समूह से प्रश्नों के उत्तर पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें और रोल प्ले पर फ़ीडबैक दें।	**बिल्लियों की दावत** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें।	बच्चे समूह में कहानी पर प्रश्न बनाएँ और दूसरे समूह से पूछें। रोल प्ले की तैयारी कराएँ।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	बच्चों से पूछे कि **दुकान** में क्या–क्या चीज़ें मिलती हैं, उनकी सूची बनाने एवं वर्गीकरण करने के लिए कहें।	कुछ मुहावरों को बोर्ड पर लिखें बच्चों को उसका अर्थ लिखने के लिए कहें। जैसे – दाँत खट्टे करना अर्थ – पराजित करना आदि।	बच्चों को कहानी के कुछ शब्द दें और उन शब्दों से नए वाक्य लिखने के लिए कहें। जैसे – हिम्मत, गोली, पत्थर, जोखिम आदि। वाक्य – हिम्मत से कम लेना चाहिए । किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	कहानी के अपरिचित शब्दों के अर्थों को ढूँढने व लिखने के लिए कहें। अनुच्छेद/छोटी कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहे।	माइंड मैप– **दावत** शब्द सुनकर आपके मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं। उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। अनुच्छेद/छोटी कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	
लेखन	15 मिनट	**दोस्ती** विषय पर बातचीत करें और कहानी लिखने को कहें। उसे पुनः पढ़कर ठीक करें।	रोल प्ले का स्क्रिप्ट लिखने के लिए कहें।	अधूरी कहानी पूरी करें एक किसान था। वह रोज़ खेत में काम करता था। एक दिन... बच्चों को कहानी पूरा करने के लिए कहें।	इस कहानी के जैसा कोई अनुभव लिखें। उसे पुनः पढ़कर ठीक करें।	नदी, चारपाई, मेंढक, बरसात इन शब्दों से कहानी बनवाएँ।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ सोलहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– पाठ्य पुस्तक के अपरिचित शब्दों के अर्थों को ढूँढ सकें एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकें।

मुहावरों व कहावतों को भी समझ सकें।

सप्ताह–16

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** डाल – डाल पर उड़ता तोता उड़ते – उड़ते मुड़ता तोता आम, अमरूद खाता तोता मिट्ठू – मिट्ठू गाता तोता	आओ खेलें किताब से शारीरिक विकास का कोई खेल करवाएँ।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** पोशम पा भई, पोशम पा यह खेल बच्चों के साथ करें।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** नीले आकाश में, चंदा के गाँव में, बच्चों के साथ यह गतिविधि करें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	बारिश से बचने के लिये हम क्या–क्या उपयोग करते हैं? बच्चों से बातचीत करें।	**किताब** के किसी चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**खेत** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**खेत** में काम करने के लिए हमें किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।	बच्चों से कहें कि अगर आप एक किसान होते तो अपने खेत में कौन–कौन सी फसल उगाते? बताएँ।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	छाता कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे समूह में पढ़कर सुनाने का अभ्यास करें।	कल पढ़ी गई कहानी पर बच्चे प्रश्न बनाए और रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें और रोल प्ले पर फीडबैक दें।	**समझदार कौन?** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे समूह में पढ़कर सुनाने का अभ्यास करें।	कहानी पर प्रश्न बनाकर दूसरे समूह से पूछना और रोल प्ले की तैयारी करना।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कहानी में ऐसे शब्द ढूँढ़े जो किसी का नाम या वस्तु का नाम हो उन्हें लिखें।	कहानी से ऐसे शब्द ढूँढ़ जो संज्ञा हो उन्हें लिखें।	अन्त्याक्षरी का खेल खेलें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए कहें।	**धूप** शब्द पर माइंड मैप करें। बोर्ड पर आए शब्दों का वर्गीकरण करें।	माइंड मैप **आँगनवाड़ी** शब्द सुनकर आपके मन में जो से शब्द आ रहे हैं। उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। अनुच्छेद/छोटी कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	
लेखन	15 मिनट	कहानी में बताए गए छाते के उपयोगों के अलावा छाते के और क्या–क्या उपयोग हो सकते हैं ? बच्चों को सोचकर लिखने के लिए कहें।	मोर नाच रहा था। तभी एक माली वहाँ आया मोर ने उसे देखा और बोला... बच्चों का पूरी कहानी लिखने के लिए कहें।	माइंड मैप **पाठशाला** शब्द सुनकर आप के मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें।	कहानी के चित्र पर चर्चा करते हुए, बच्चों को कहानी लिखने के लिए कहें और बाद में उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	कहानी में आपको सबसे बुरी बात क्या लगी और क्यों? उसके बारे में लिखें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ सत्रहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– परिचित पाठ, पात्रों, शीर्षक, घटना एवं चित्र पर अपने अनुभव को जोड़ते हुए समझ के साथ लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें।

सप्ताह–17

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	लीडर–लीडर चेंज–चेंज किसी एक बच्चे को कक्षा से बाहर जाने को कहें और कक्षा में किसी एक बच्चे को लीडर बना दें। जैसा एक्शन लीडर करेगा। वही एक्शन सभी करें। अब बाहर गए बच्चे को अंदर बुलाएँ और उसे लीडर को पहचानने के लिए कहें। जब तक बच्चा लीडर को न पहचान ले तब तक यह गतिविधि चलती रहेगी।	कुछ बच्चों से पूर्व में की गई गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** कुतर – कुतर कर चूहे ने खा डाले सारे अखरोट पेट फूल गया, चल न पाया हुआ वहीं पर लोटम लोट।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बन्दर मामा पहन पजामा, पैर में उनके बढ़िया बूट। जब से आला गले में डाला, साइन बोर्ड अपना लगवाया। डॉक्टर बन्दर नाम लिखाया, बन्दर मामा पहन पजामा।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	सर्दियों के दिनों में ठंड से बचने के लिए किन चीज़ों का इस्तेमाल किया जाता है? बच्चों से बातचीत करें।	**किताब** के किसी चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	क्या आपने **कछुआ** देखा है? वह क्या खाता है? कैसे चलता है? उस पर बातचीत करें।	पालतू जानवर कौन–कौन से होते हैं? वे क्या–क्या खाते हैं? बच्चों से बातचीत करें।	**किताब** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**कवच** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। हाव–भाव के साथ कहानी सुनाने के लिए कहें। बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें।	कहानी पर समूह में प्रश्न बनाना व एक–दूसरे से पूछना। कहानी पर रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें और रोल प्ले पर फ़ीडबैक दें।	**कछुआ और खरगोश** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। हाव–भाव के साथ कहानी सुनाने के लिए कहें। बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें।	बच्चे कल पढ़ी गई कहानी को पढ़कर सुनाएँ, कहानी और कहानी पर चर्चा करें। अंत में कहानी में आए अपरिचित शब्दों के अर्थों पर चर्चा करें ।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें बच्चों को उन शब्दों के अर्थ लिखने के लिए कहें। जैसे – प्राणी, कठोर, मुलायम आदि। पाठ्यपुस्तक की कहानी को पढ़ने के लिए कहें।	माइंड मैप **समुद्र** शब्द सुनकर आप के मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों का वर्गीकरण भी करने के लिए कहें।	**सर्दी** शब्द पर बच्चों को कुछ बोलने के लिए कहें। इसके लिए उन्हें 1 मिनट का समय दें।	जानवरों के नाम की सूची बनाएँ।	माइंड मैप **दौड़** शब्द सुनकर आपके मन में जो शब्द आ रहे हैं। उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। फिर उन शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें। पाठ्य–पुस्तक की कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	
लेखन	15 मिनट	कहानी से क्या समझ आया ? अपने शब्दों में लिखने के लिए कहें।	कोई पाँच शब्द चुनें और कहानी लिखने के लिए कहें।	रवि साइकिल से बाज़ार जा रहा था। तभी रास्ते में उसे एक बकरी का बच्चा दिखा। वह उसे... कहानी में आगे क्या हुआ होगा? बच्चे को लिखने के लिए कहें।	आपको कछुए और खरगोश की कहानी में कौन सा पात्र अच्छा नही लगा और क्यों?	माइंड मैप में आए हुए शब्दों में से 4–5 शब्दों का चुनाव करके कहानी लिखने के लिए कहें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ अठारहवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– परिचित पाठ, पात्रों, शीर्षक, घटना एवं चित्र पर अपने अनुभव को जोड़ते हुए समझ के साथ लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें।

सप्ताह–18

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** धम्मक धम्मक आता हाथी। धम्मक धम्मक जाता हाथी। पंखे जैसे कान है उसके, लम्बी सूँड़ हिलाता हाथी। धम्मक धम्मक आता...	कुछ बच्चों से पूर्व में की गई गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** कोयल है भाई निराली बजाओ भाई ताली बोली है भाई मीठी बजाओ भाई सीटी	आओ खेलें किताब से कोई एक गतिविधि करें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** तीन गाय थीं, तीन फूल थे लिली, गेंदा और चम्पा गायें उनको चरतीं नहीं पर देखती रम्भा – रम्भा	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	खेती के लिए पानी क्यों ज़रूरी है, अगर पानी न होता तो क्या होता? बातचीत करें।	किताब की कहानी को मज़ेदार तरीके से सुनाने के लिए कहें।	**फूल** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**पिटारा** शब्द से आप क्या समझते हैं? बच्चों से इस विषय में बातचीत करें।	पाठ्य–पुस्तक से चित्रों को चुनें और चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**अकाल** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। हाव–भाव के साथ कहानी सुनाने के लिए कहें।	कहानी पर समूह में प्रश्न बनाना व एक–दूसरे से पूछें। कहानी पर रोल प्ले की तैयारी करें।	कहानी पर रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें और रोल प्ले पर फ़ीडबैक दें।	**गुल्ली का गज़ब पिटारा** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। हाव–भाव के साथ कहानी सुनाने के लिए कहें।	कहानी पर समूह में प्रश्न बनाना व एक–दूसरे से पूछें। कहानी पर रोल प्ले की तैयारी करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	आपके अनुसार आकाल से बचाव के लिए क्या–क्या करना चाहिए।	माइंड मैप **अकाल** शब्द सुनकर आप के मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें।	**खेती** विषय पर बच्चों को एक मिनट का समय दें और बोलने के लिए कहें।	**पिटारा** शब्द से मिलते–जुलते शब्द 30 सैकेण्ड में बोलने के लिए कहें। इनकी सूची भी बनवाएँ। किताब की कहानियों को पढ़ने के लिए भी कह सकते हैं।	माइंड मैप **शौक** शब्द सुनकर आप के मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें।	
लेखन	15 मिनट	पेड़–पौधे क्यों ज़रूरी हैं? लिखने के लिए कहें। अपने लिखें को पुनः पढ़े और ठीक करके लिखें।	रोल प्ले के संवाद समूह में चर्चा करके लिखें।	**खिचड़ी** बनाने में किस–किस सामान की ज़रूरत होती है ? उसकी सूची बनाते हुए शब्दों से वाक्य लिखें और बाद में उसे देखने, पढ़ने व सुधार करने के लिए कहें।	किसी भी चित्र पर चर्चा करते हुए कहानी लिखने के लिए और बाद में उसे देखने, पढ़ने व सुधार करने के लिए कहें।	माइंड मैप में आए शब्दों से कहानी सोचकर लिखने के लिए कहें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ उन्नीसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– परिचित पाठ, पात्रों, शीर्षक, घटना एवं चित्र पर अपने अनुभव को जोड़ते हुए समझ के साथ लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें।

सप्ताह–19

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बच्चों के साथ मोर है मेरा नाम रे... कविता हाव–भाव से गाएँ।	कुछ बच्चों से पूर्व में की गई गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** छोटे मामा जी के घर एक मोटी–सी बिलैया रे... कविता हाव–भाव से गाएँ।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** हाइया हो हाइया हो , पानी में तैरे देखो छोटी–सी नइया। चम्पू चलाना तुम धीरे से भइया , धीरे–धीरे जाए देखो छोटी–सी नइया।	शिक्षक कोई एक गतिविधि दीक्षा एप्प से अपने मोबाइल पर प्ले करें, सभी बच्चे उस गतिविधि को देखकर करने का प्रयास करें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	**किताब** की कहानी को मज़ेदार तरीके से सुनाएँ।	नील शब्द से आप क्या समझते हैं? इस विषय पर बच्चों से चर्चा करें और उन्हें ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	प्रत्येक बच्चे को ऐसा मजेदार वाक्य बोलने के लिए कहें जिसे सुनकर सभी हंस पड़े। चीटीं ने फूंक मारी हाथी उड़ गया।	मदद का मतलब क्या हे और हमें कब–कब किसकी मदद करनी चाहिए और क्यों?	चित्र कार्ड पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**नील के दाता** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	कहानी पर प्रश्न बनाए और एक दूसरे से पूछे। कहानी पर रोल प्ले की तैयारी करने के लिए कहें।	कहानी पर रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले पर फीडबैक जरूर दें।	**सो जा टिंकू** बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	कहानी पर प्रश्न बनाए और एक दूसरे से पूछे। रोल प्ले की तैयारी करने के लिए कहें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कहानी से मज़ेदार शब्दों को ढूँढकर निकाले। किताब की कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	माइंड मैप– **नील** शब्द सुनकर आपके मन में जो शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें।	कहानी से पुलिंग शब्दों को ढूढकर निकाले और उनके स्त्रीलिंग शब्द लिखें।	ढाबा खोलने के लिए किन–किन चीजों की जरूरत होगी किताब की कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	आगे–पीछे जैसे अन्य शब्दों की सूची बनाकर लिखें।	
लेखन	15 मिनट	बच्चों को आज पढ़ी गई कहानी को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहें।	माइंड मैप में आए कुछ शब्दों का इस्तेमाल करके कहानी लिखने के लिए कहें।	राजू खेल रहा था तभी उसके पांव में चोट लग गई। मीना ने माँ को आवाज लगाई..... आगे क्या हुआ होगा। सोचकर कहानी लिखें।	इस कहानी से आपको क्या समझ आया। अपने शब्दों में लिखें पुनः पढ़े और त्रुटियों को ठीक करें।	अगले दिन होने वाले रोल प्ले के सवाल लिखने के लिए कहें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ बीसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– परिचित पाठ, पात्रों, शीर्षक, घटना एवं चित्र पर अपने अनुभव को जोड़ते हुए समझ के साथ लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें।

सप्ताह–20

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** तोता हूँ मैं तोता हूँ, हरे रंग का होता हूँ। लाल मेरी चोंच है, बाग़ों में मैं रहता हूँ। मीठे फल खाता हूँ, माली के बेटे को देख। पत्तों में छिप जाता हूँ ।	कुछ बच्चों से पूर्व में किया गया गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** एक कहानी बहुत पुरानी रोज़ सुनाए मेरी नानी एक था राजा एक थी रानी हो गई मुझको याद कहानी हो सके तो इस कविता को एक्शन के साथ बच्चों को करके दिखाएँ।	कुछ बच्चों से पूर्व में किया गया गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	**बच्चों के साथ गतिविधि कराएँ।** शिक्षक एक गोला बनाएँ और सभी बच्चों को गोले के बाहर खड़ा करें। शिक्षक जब जल बोलें तो बच्चे गोले के अन्दर कूदें। जब थल बोलें तो गोले के बाहर कूदें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	रेंगकर चलने वाले जीव पर बच्चों के साथ चर्चा करें। बच्चों को अपने आस–पास रेंगने वाले जीवों को बताने के लिए प्रेरित करें।	कौन–कौन से जीव जहरीले होते हैं? जैसे– साँप विषय पर चर्चा करें और बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	**जंगल** के बारे में बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	आपको कौन–कौन से काम करने पसंद है और क्यों? बातचीत करें।	पाठ्य–पुस्तक के चित्र पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**सीधा साधा सर्पी** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। बच्चों को हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें। शिक्षक कहानी पर चर्चा/अपरिचित शब्दों पर चर्चा करें।	कल पढ़ी गई कहानी को बच्चे पढ़कर सुनाएँ और कहानी एवं अपरिचित शब्दों के अर्थों पर चर्चा करें । बच्चों का समूह बनाएँ और कहानी पर रोल प्ले की तैयारी करने के लिए कहें।	बच्चों का समूह बनाएँ। बच्चे अपने समूह में प्रश्न बनाएँ और एक दूसरे समूह से प्रश्न पूछें।	**शहीद पीर अली** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा–से–ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	बच्चे समूह में प्रश्न बनाएँ और एक दूसरे समूह से प्रश्न पूछने के लिए कहें। रोल प्ले की तैयारी करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कहानी के कुछ पुल्लिग शब्दों को ढूँढ़कर बोर्ड पर लिखें। बच्चों को उन शब्दों के स्त्रीलिंग शब्द लिखने के लिए कहें। जैसे–मोर, कटोरा, भाई, पुरुष, बंदर आदि। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	माइंड मैप : **घना जंगल** शब्द सुनकर आप के मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	कहानी के अपरिचित शब्दों के अर्थों को ढूँढने व लिखने के लिए कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	बच्चों से कहें कि आप किन–किन फूलों के बारे में जानते हैं। उसकी एक सूची बनाएँ। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	माइंड मैप: **डर** शब्द सुनकर आपके मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं ? किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	
लेखन	15 मिनट	दी गई कहानी के मनपसंद पात्रों के बारे में लिखने के लिए कहें। उसके बाद अपने लेखन को पुनः पढ़ते हुए सुधार करने के लिए कहें।	कहानी में सर्पी के आलावा किस–किस के बारे में बात हुई है, बच्चों को सोचने एवं लिखने के लिए कहें।	उड़ने वाले, पानी में रहने वाले और रेंगने वाले जीवों के बारे में चर्चा करें और उसे लिखने के बाद उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	**पाठ्य–पुस्तक** के किसी चित्र पर चर्चा करें और चर्चा के आधार पर बच्चों को कहानी लिखने के लिए कहें ।अपने लेखन को देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	माइंड मैप में आए शब्दों से कहानी बनाकर लिखें। कहानी को पुनः पढ़कर ठीक करें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ इक्कीसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– विभिन्न परिस्थितियों और उद्दे य (कविता, चित्र कार्ड, कहानी आदि) के अनुसार अपने विचारों को लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें एवं समीक्षा कर उसमे सुधार कर सकें।

सप्ताह–21

विषयवस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बन्दर आया, बंदर आया। पूँछ हिलाता, बंदर आया। उछलता, कूदता बन्दर आया। झूम–झूम कर बन्दर आया। सबको हँसाने बन्दर आया।	कुछ बच्चों से पूर्व में किया गया गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बारिश की बूँदें बादल से बरस रही हैं झरमर – झरमर बारिश की बूँदें छप्पर से टपक रही हैं टपटप–टपटप छपपर से गिर,गरम तवे पर नाच रही हैं छनछन–छनछन।	कुछ बच्चों को पूर्व में किया गया गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	**बच्चों के साथ गतिविधि कराएँ।** **चूहा** चूहा आया, चूहा आया। हम सबको खूब हँसाया। कभी इधर, तो कभी उधर। कुतर–कुतर कर उधम मचाया। इस गतिविधि को एक्सन के साथ करके दिखाएँ और बच्चों को करने के लिए कहें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	किसी नई जगह जाने के लिए आप रास्ता कैसे पता करते हैं? बातचीत कीजिए।	तिरंगे झंडे में कौन–कौन सी ख़ास बात है? इस विषय पर चर्चा करें और बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	घर कैसे बनता है और हमारे लिए घर क्यों ज़रूरी है? इस विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	लिखने के लिए किन–किन चीज़ों को इस्तेमाल किया जाता हैं। पुराने जमाने में लोग कैसे लिखते थे?	चित्र कार्ड पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	15 मिनट	**नई दिशा** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। बच्चों को हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे समूह में पढ़ने का अभ्यास करें।	बच्चे अपने–अपने समूह में कहानी से सम्बंधित प्रश्न बनाएँ और एक दूसरे समूह से प्रश्न पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	बच्चों का समूह बनाएँ और कहानी पर रोल प्ले की तैयारी करें उसके बाद कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। फीडबैक जरूर दें।	**निबंध की कॉपी** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	बच्चे कल पढ़ी गई कहानी को पढ़कर सुनाएँ, कहानी और कहानी पर चर्चा करें। अंत में कहानी में आए पात्रों की भूमिका पर चर्चा करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उन शब्दों के अर्थ लिखने के लिए कहें। जैसे –परिश्रम, इजाज़त, खुशबू आदि। अनुच्छेद /छोटी कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	माइंड मैप : **दावत** शब्द सुनकर आपके मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	सड़क के चौराहे के आस–पास कौन–कौन सी चीज़ें दिखाई देती हैं उनकी एक सूची बनाने के लिए कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	कहानी के अपरिचित शब्दों के अर्थ को ढूँढने एवं उनसे नए वाक्य लिखने के लिए कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	दंग रह जाना मुहावरे का अर्थ समझाते हुए वाक्यों में प्रयोग करते हुए बच्चों को कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	
लेखन	20 मिनट	कहानी में आपको कौन सा पात्र सबसे अच्छा लगा। उस पात्र के बारे में लिखने के लिए कहें।	कहानी के रोल प्ले के बारे में चर्चा करें और संवाद को अपने शब्दों में लिखें। उसके बाद अपने लेखन को देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	स्कूल के बारे में चर्चा करें और बच्चों को कहानी लिखने के बाद उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	**पाठ्य–पुस्तक** के किसी चित्र पर चर्चा करें। चर्चा के बाद कहानी लिखने और बाद में उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	बच्चों से चर्चा करें कि 26 जनवरी के दिन आपके स्कूल में क्या–क्या होता है ? बच्चों को अपनी कॉपी में लिखने व सुधार करने के लिए कहें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ बाइसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– विभिन्न परिस्थितियों और उद्दे य (कविता, चित्र कार्ड, कहानी आदि) के अनुसार अपने विचारों को लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें एवं समीक्षा कर उसमे सुधार कर सकें।

सप्ताह–22

विषयवस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** गर्मी आई, गर्मी आई घर–घर में वह पंखा लाई सबको पास बुलाता पंखा मीठी नींद सुलाता पंखा ठंडी हवा खिलाता पंखा बहुत आराम है देता पंखा	कुछ बच्चों से पूर्व किया गया गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** इस कविता को बच्चों के बीच हाव–भाव के साथ गाकर दिखाएँ। नाच मोर का सबको भाता जब वह पंखों को फैलाता कुहूँ–कुहूँ का शोर मचाता झूम–झूम कर नाच दिखाता।	कुछ बच्चों से पूर्व में किया गया गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें करने के लिए कहें।	किसी चित्र पर चर्चा करते हुए, कहानी लिखने और बाद में उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।
बातचीत	10 मिनट	चाय कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	आपको क्या लगता है हर वस्तु या चीज़ की कोई कहानी होती होगी। यदि हाँ तो कैसे? बातचीत करें।	**रिवाज़** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	पानी में रहने वाले जीव–जन्तुओं के बारे में बातचीत करें।	चित्र कार्ड पर चर्चा करें । बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें।	
कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	15 मिनट	**चाय** कहानी बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	बच्चे समूह में चर्चा करें और कहानी पर प्रश्न बनाएँ। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी का रोल प्ले की तैयारी कराएँ।	कहानी पर तैयार किए गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। फीडबैक जरूर दें।	**बत्तख मियाँ** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौक़ा दें। कहानी बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	कल पढ़ी गई कहानी को बच्चे पढ़कर सुनाएँ। रोल प्ले की तैयारी करें।	
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, बच्चों को उसका अर्थ लिखने के लिए कहें। जैसे – समारोह, अमृत, मजा आदि। अनुच्छेद/छोटी कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	माइंड मैप– **चाय** शब्द सुनकर आपके मन में कौन–कौन से शब्द आ रहे हैं, उनको कॉपी/बोर्ड पर लिखने एवं शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें ।	कहानी के अपरिचित शब्दों के अर्थ को ढूँढे एवं लिखने के लिए कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए कहें।	कहानी के अपरिचित शब्दों के अर्थ को ढूँढे एवं उससे नए वाक्य लिखने के लिए कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए कहें।	माइंड मैप– **लालच** शब्द सुनकर आपके मन में कौन – कौन से शब्द आ रहे हैं उससे वाक्य बनाकर कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए भी कहें।	
लेखन	20 मिनट	चाय बनाने की प्रक्रिया को कहानी के रूप में लिखने के बाद उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	**रसोई घर** विषय पर चर्चा करें सोचने एवं कहनी के रूप में लिखने के बाद उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	**स्वास्थ्य** के बारे में चर्चा करें और बच्चों से कहानी लिखने के बाद उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	किसी चित्र पर चर्चा करते हुए, कहानी लिखने और बाद में उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	**दावत** विषय पर चर्चा करें सोचने एवं कहानी के रूप में लिखने के बाद उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ तेइसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– विभिन्न परिस्थितियों और उद्दे य (कविता, चित्र कार्ड, कहानी आदि) के अनुसार अपने विचारों को लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें एवं समीक्षा कर उसमे सुधार कर सकें।

सप्ताह–23

विषयवस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हावभाव से कविता गाएँ** मैं तो सो रहा था मुझे बिल्ली ने जगाया बोली म्याऊँ–म्याऊँ–म्याऊँ मैं तो सो रहा था मुझे कुत्ते ने जगाया बोला भौं–भौं भौं मैं तो सो रहा था मुझे मम्मी ने जगाया बोली उठ–उठ–उठ!	कुछ बच्चों से पूर्व में किया गया गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें ।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** बच्चों के बीच एक्शन के साथ इस कविता को गाकर दिखाएँ। मोर है मेरा नाम रे.....2 जंगल मेरा धाम रे.....2 वर्षा मुझको लगती है प्यारी.....2 नही सुहाता घाम रे.....2 मोर है मेरा नाम रे.....2	कुछ बच्चों से पूर्व में किया गया गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें ।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	
बातचीत	10 मिनट	दादाजी की छींक कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	छींकना हमेशा बीमार होने की नीशानी होती है? कब–कब हमें छींक आती है? बातचीत कीजिए।	**दिमाग** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	खाने की जान कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	किताब के चित्र पर चर्चा करें बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	15 मिनट	**दादाजी की छींक** कहानी बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	कल पढ़ी गई कहानी को बच्चे पढ़कर सुनाएँ और एक–एक बच्चों को पढ़ने का मौका दें। बच्चों का समूह बनाएँ। बच्चे अपने समूह में प्रश्न करने और एक दूसरे समूह से पूछने के लिए कहें।	बच्चों से अपने समूह में रोल प्ले की तैयारी करने को कहें। कहानी पर तैयार किये गए रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले पर फीडबैक दें।	खाने की जान कहानी बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें।कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	कल पढ़ी गई कहानी को बच्चे पढ़कर सुनाएँ। रोल प्ले की तैयारी करें।	**पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।**
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कुछ एक वचन वाले शब्दों को बोर्ड पर लिखें, बच्चों को उन शब्दों के बहुवचन शब्द लिखने के लिए कहें। जैसे– कपड़ा, माला, पुस्तक, रोटी, आदि।	माइंड मैप : **दादाजी** शब्द सुनकर आप के मन में कौन – कौन सा शब्द आ रहा है उससे वाक्य बनाकर कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें।	बच्चों से चर्चा करें कि कौन–कौन सी बिमारियाँ होती है। उसके नाम लिखने के लिए कहें।	कहानी के अपरिचित शब्दों के अर्थ को ढूढें एवं उससे नये वाक्य लिखने के लिए कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए कहें ।	मुहँ में पानी आना मुहावरे का अर्थ समझाते हुए वाक्यों में प्रयोग करते हुए कॉपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए कहें।	
लेखन	20 मिनट	**बीमार** शब्द पर चर्चा करें और बच्चों से चर्चा के आधर पर अपनी कॉपी में लिखने के लिए कहें। पुनः अपने लेखन को पढ़ते हुए सुधार करने को कहें।	**दवा** विषय पर चर्चा करें और चर्चा के आधार पर एक छोटी कहानी बच्चों को लिखने के लिए कहें। उसके बाद अपने लेखन को देखने एवं सुधार करने के लिए कहें ।	जब आपको छींक आती है तो आप क्या करते है? चर्चा करें और बच्चों से कहानी रूप में लिखने के बाद उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें ।	**पाठ्य–पुस्तक** के किसी चित्र पर चर्चा कर, कहानी लिखने और बाद में उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	**पकवान** विषय पर चर्चा करें सोचने एवं कहनी के रूप में लिखने के बाद उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें ।	

एडवांस स्तर के बच्चों के साथ चौबीसवें सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य :– विभिन्न परिस्थितियों और उद्दे य (कविता, चित्र कार्ड, कहानी आदि) के अनुसार अपने विचारों को लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें एवं समीक्षा कर उसमे सुधार कर सकें।

सप्ताह–24

विषयवस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा. दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	05 मिनट	**बच्चों के साथ हावभाव से कविता गाएँ।** **सब्जी** आलू बोला मुझको खालो, मैं तुमको मोटा कर दूँगा। पालक बोली मुझको खा लो, मैं तुमको ताकत दे दूँगी। गाजर, भिन्डी, बैगन, गोभी, मटर, टमाटर बोले, अगर हमें भी खाओगे, शीघ्र बड़े हो जाओगे।	कुछ बच्चों से पूर्व में किया गया गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें ।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** एक बिल्ली बेचारी, वो तो बैठी बेचारी ..2 मुझको लगती है प्यारी.....2 अजी वाह् वाह् वाह् .....2 वो तो कुत्तो से डरती, चूहा झट से, पकड़ती ...2 एक बिल्ली बेचारी, वो तो बैठी बेचारी .....2 मुझको लगती है प्यारी.....2 अजी वाह् वाह् वाह् .....2 वो तो डण्डो से डरती, चूहा झट से, पकड़ती.2 एक बिल्ली बेचारी, वो तो बैठी बेचारी .....2 मुझको लगती है प्यारी.....2, अजी वाह् वाह् वाह् 2	कुछ बच्चों से पूर्व में किया गया गीत/कविता करवाने के लिए प्रेरित करें ।	कोई एक गतिविधि **दीक्षा पोर्टल** से प्ले करें। सभी बच्चे देखकर उसी प्रकार करें।	
बातचीत	10 मिनट	**दीदी का रंग–विरंगा खजाना** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें ।	चित्र कार्ड पर चर्चा करें बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**मैदान** विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	**अनाज के दाने** कहानी के शीर्षक पर चर्चा करें। बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें ।	किताब के किसी चित्र पर चर्चा करें बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा बोलने का मौका दें।	
कहानी/पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	15 मिनट	**दीदी का रंग–विरंगा खजाना** कहानी बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	बच्चों का समूह बनाएँ और प्रश्न बनाने के लिए कहें। एक समूह दूसरे समूह में प्रश्न पूछने के लिए कहें।	समूह में बच्चे रोल प्ले की तैयारी करें और रोल प्ले को प्रस्तुत करने को कहें। रोल प्ले पर फीडबैक दें।	**अनाज के दाने** कहानी बच्चों द्वारा हाव–भाव से कहानी पढ़कर सुनाने के लिए कहें। कहानी को बच्चे ग्रुप में पढ़ने का अभ्यास करें।	समूह में बच्चे कहानी पर प्रश्न बनाएँ और समूह से प्रश्न पूछें। रोल प्ले की तैयारी करें।	**पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला।**
शब्द भण्डार के खेल	10 मिनट	कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखे बच्चे उसका अर्थ लिखने के लिए कहें। जैसे – खोज, किस्म, दौड़ आदि अनुच्छेद/छोटी कहानियों को पढ़ने के लिए कहें।	माइंड मैप– **खजाना** शब्द सुनकर आप के मन में कौन – कौन सा शब्द आ रहा है उससे वाक्य बनाकर काँपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। किताब की कहानियों को पढ़ने के लिए कहें।	कहानी के अपरिचित शब्दों के अर्थ को ढूढें एवं लिखने के लिए कहें । अनुच्छेद/छोटी कहानियों को पढ़ने के लिए कहें।	कहानी के अपरिचित शब्दों के अर्थ को ढूढें एवं उससे नये वाक्य लिखने के लिए कहें। अनुच्छेद/छोटी कहानियों को पढ़ने के लिए कहें ।	माइंड मैप– **अनाज** शब्द सुनकर आप के मन में कौन – कौन सा शब्द आ रहा है उससे वाक्य बनाकर काँपी/बोर्ड पर लिखने को कहें। किताब से कहानियों को पढ़ने के लिए कहें।	
लेखन	20 मिनट	कहानी में आए हुए मनपसंद पात्रों के बारे में लिखने के लिए कहें ओर अपने लेखन को पुनः सुधार करने के लिए कहें।	किस कपड़े से कौन–कौन सी चीज़े बनती हैं चर्चा करें उसके बारे में लिखें, पढ़ें व पुनः ठीक करें।	कहानी पर की गई रोल प्ले के संवाद को लिखने और बाद में उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	**पाठ्य–पुस्तक** के किसी चित्र पर चर्चा कर, कहानी लिखने और बाद में उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	खेती की शुरुआत विषय पर चर्चा करें सोचने एवं कहनी के रूप में लिखने के बाद उसे देखने एवं सुधार करने के लिए कहें।	